



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49]

नई दिल्ली, शनिवार, विसम्बर 7, 1974 (अग्रहायणा 16, 1896)

No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 7, 1974 (AGRAHAYANA 16, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paglug is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस

(NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 28 फरवरी 1973 तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 28th February 1973 :—

अंक Issue	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
--------------	--------------------------------	-----------------------------------	-----------------

--शून्य--

--Nil--

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां, प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी।
मांग-पत्र नियन्त्रक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 1015	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	पृष्ठ 3453
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी भ्रफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1851	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	427
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, मंघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	6913
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई भ्रफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1335	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, बलकना द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	865
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	531
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	3029	भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	177
		पूरक सख्या 49—	
		30 नवम्बर, 1974 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी संबंधी साप्ताहिक रिपोर्ट	1515
		9 नवम्बर, 1974 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु सम्बंधी आंकड़	1527

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 1015	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	PAGE 3453
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1851	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	427
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	6913
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	1335	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	865
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	531
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	32	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	177
		SUPPLEMENT NO. 49	
		Weekly Epidemiological Reports for week ending 30th November, 1974	1515
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 9th November, 1974	152

भाग — खंड 1

(PART I—SECTION 1)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के पंचायतों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Supreme Court

संजीवचल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 दिसम्बर 1974

नियम

सं० 10/22/74-के० से०-ii :—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान, मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) नई दिल्ली द्वारा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-III, सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-III तथा भारतीय विदेश सेवा (बी) के आशुलिपिक उप संवर्ग के ग्रेड III में अस्थाई रिक्तियों को भरने के लिये अप्रैल, 1975 में ली जाने वाली विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के लिये नियम जन साधारण की सूचनाएं प्रकाशन किए जाते हैं :—

2. विभिन्न सेवाओं में परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान, द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। भारत सरकार द्वारा नियम रिक्तियों के संबंध में, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये आरक्षण किए जाएंगे।

अनुसूचित जाति/आदिम जाति का अर्थ उस किसी भी जाति/आदिम जाति से है जिसका बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के माध्यम से अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति आदेश सूचि में (संशोधन) अधिनियम, 1956, संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश 1958 संविधान (अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश 1959 संविधान (दादरा तथा नगर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान, (दादरा तथा नगर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश 1964 संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967 संविधान (गोवा, दमन व दीव) अनुसूचित जाति आदेश 1968 संविधान (गोवा दमन तथा दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश 1968 तथा संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970 में उल्लेख है।

3. सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट में निर्धारित पद्धति के अनुसार ली जाएगी।

परीक्षा की तारीखों और स्थान सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान द्वारा नियत किए जाएंगे।

4. नियमित रूप में नियुक्त कोई भी स्थाई या अस्थाई अधिकारी जो निम्नलिखित शर्तें पूरी करता है, इस परीक्षा में बैठने तथा आशुलिपिक सेवा के ग्रेड III को उन रिक्तियों के लिये ही प्रतियोगिता करने का पात्र होगा जो उनकी लिपिक सेवा के सुसंगत है, अर्थात् केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड III की रिक्तियों के लिये ही प्रतियोगिता कर सकेंगे। सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा के ग्रेड III की रिक्तियों के लिये ही प्रतियोगिता कर सकेंगे और आई० एफ० एस० ब्रांच (बी०) के ग्रेड-VI अथवा ग्रेड-V के अधिकारी आई० एफ० एस० (बी०) के आशुलिपिकों के ग्रेड-III के उपसंवर्ग की रिक्तियों के लिये ही प्रतियोगिता कर सकेंगे।

(1) सेवा की अवधि :—उसने निम्नलिखित ग्रेड में 1 जनवरी 1975 को कम से कम तीन वर्ष की अनुमोदित तथा निरन्तर सेवा कर ली हो :—

वर्ग—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की अवर श्रेणी ग्रेड अथवा उच्च श्रेणी ग्रेड अथवा केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के उच्च श्रेणी ग्रेड या अवर श्रेणी ग्रेड अथवा केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार के अधीन कोई अन्य ऐसा ग्रेड जिसकी एक जुलाई, 1959 से पहले न्यूनतम और अधिकतम वेतनमान का क्रमशः 55 रु० और 130 रु० से कम न रहा हो और 1 जुलाई, 1959 को या उसके बाद किन्तु एक जगह, 1973 से पहले क्रमशः 110 रु० और 180 रु० से कम नहीं है। परन्तु एक जनवरी, 1973 को या उसके बाद क्रमशः रु० 260/और रु० 400 से कम नहीं हों ?

टिप्पणी :—यदि किसी उम्मीदवार की गिनने योग्य कुल सेवा अंशतः केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में और अंशतः किसी दूसरी जगह, जैसा कि उपर्युक्त उल्लिखित है, की गई हो तो भी तीन वर्ष की अनुमोदित तथा निरन्तर सेवा की सीमा लागू होगी।

टिप्पणी 2:— केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड के वे अधिकारी जो सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से निःसर्वग पदों में प्रतिनियुक्ति पर हैं, यदि अल्पकाल पात्र हों तो, इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। यह शर्त उस अधिकारी पर भी लागू होती है जो स्थानान्तरण पर किसी निःसर्वग पद पर या किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है और यदि उस अधिकारी का केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में फिलहाल कोई पूर्व ग्रहणाधिकार चलता जा रहा हो।

टिप्पणी 3 :—अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त अधिकारी का अर्थ उस अधिकारी से है जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1962 के आरम्भ में केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के किसी संवर्ग में आवंटित हो या उसके पश्चात् उस सेवा की अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में दीर्घकालीन आधार पर, जैसी भी स्थिति हो, निर्धारित कार्य-पद्धति के अनुसार नियुक्त हो।

बर्ग-II सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा का अवर श्रेणी ग्रेड और अथवा उच्च श्रेणी ग्रेड या केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार के अधीन कोई अन्य ऐसा ग्रेड जिसका एक जुलाई 1959 से पहले न्यूनतम और अधिकतम वेतनमान का क्रमशः रु० 55 और रु० 130 से कम न रहा हो और एक जुलाई, 1959 को या उसके बाद किन्तु एक जनवरी, 1973 से पहले क्रमशः रु० 110 और रु० 180 से कम नहीं हो परन्तु एक जनवरी 1973 को या उसके बाद क्रमशः रु० 260 तथा रु० 400 से कम न हो।

टिप्पणी-1 —यदि किसी उम्मीदवार की संगणनीय सेवा अंशतः सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में और अंशतः किसी समकक्ष ग्रेड में हो तो तीन वर्ष की अनुमोदित तथा अविरत सेवा की सीमा भी लागू होगी।

टिप्पणी-2 —सशस्त्र सेना मुख्यालय के अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड के वे अधिकारी जो सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से निःसंवर्ग पदों में प्रतिनियुक्ति पर हैं, यदि अन्य पात्र हों तो, इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। यह शर्त उस अधिकारी पर भी लागू होती है जो स्थानान्तरण पर किसी निःसंवर्ग पद पर या किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है और यदि उस अधिकारी का सशस्त्र सेना मुख्यालय का अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में फिलहाल कोई पूर्व ग्रहणाधिकार चलता जा रहा हो।

बर्ग-III भारतीय विदेश सेवा (बी) का ग्रेड-VI और/अथवा ग्रेड-V

टिप्पणी-1 —भारतीय विदेश सेवा बी का ग्रेड-VI अथवा V के वे अधिकारी जो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति से निःसंवर्ग पदों में प्रतिनियुक्ति पर हैं, यदि अन्यथा पात्र हो तो, इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। यह शर्त उस अधिकारी पर भी लागू होती है जो स्थानान्तरण पर किसी निःसंवर्ग पर या किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है और उस अधिकारी का भारतीय विदेश सेवा 'बी' का ग्रेड-VI तथा V में निर्णायक तारीख से फिलहाल कोई पूर्व ग्रहणाधिकार चलता जा रहा हो।

2 आयु-उसकी 1 जनवरी, 1975 को 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1930 से पहले नहीं होना चाहिए।

5. ऊपर निर्धारित उपरी आयु-सीमा में निम्नलिखित मामलों में अतिरिक्त छूट दी जायेगी :—

- (i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हों तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक ;

- (ii) यदि उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद (लेकिन 25 मार्च, 1973 से पहले) प्रव्रजन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद (लेकिन 25 मार्च, 1971 के पहले) प्रव्रजन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष ;
- (iv) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडीचेरी का निवासी हो और किसी स्तर पर उसकी शिक्षा फ्रेंच भाषा के माध्यम से हुई हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (v) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-लंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (vi) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति भी हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-लंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (vii) यदि उम्मीदवार संघ राज्य-क्षेत्र गोवा, दमन और दीव का निवासी हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (viii) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व-टंगानिका और जंजीवार) में प्रव्रजित हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,
- (ix) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजित हुआ हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (x) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो और बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो। और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजित हुआ हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,

- (zi) किसी दूसरे देश में संघर्ष के समय अथवा किसी उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियों के समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त रक्षा सेवा-कार्मिकों के लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष तक, और
- (xii) किसी दूसरे देश में संघर्ष के समय अथवा किसी उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियों के समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त ऐसे रक्षा-सेवा-कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों से संबंधित हों, अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,
- (xiii) 1971 में हुए भारत-पाक संघर्ष के दौरान हमलों में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किये गये सीमा सुरक्षा बल के कार्मिकों के मामलों में अधिकतम तीन वर्ष तक।
- (xiv) 1971 में हुए भारत-पाक संघर्ष के दौरान हमलों में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किये गये सीमा सुरक्षा बल के ऐसे कार्मिकों को मामलों में अधिकतम 8 वर्ष तक जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हों।

ऊपर निर्धारित की गई आयु-सीमाओं में उपर्युक्त शर्तों के अलावा किसी भी मामलों में ढील नहीं दी जाएगी।

6. परीक्षा में प्रवेश के लिए किसी उम्मीदवार को पात्रता का अपात्रता के संबंध में संस्थान का निर्णय अंतिम होगा ?

7. ऐसे किसी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं करने दिया जायेगा यदि उसके पास संस्थान द्वारा दिया गया प्रवेश प्रमाण-पत्र न हों।

8. उम्मीदवार को संस्थान के नोटिस के अनुच्छेद 5 में निर्धारित फीस देनी होगी।

9. अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी भी माधानों द्वारा समर्थन प्राप्त करने के लिए उम्मीदवार की ओर से कोई प्रयास किये जाने से प्रवेश के लिए उसे अनर्हता किया जा सकेगा।

10. यदि किसी उम्मीदवार को संस्थान द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने :—

- किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं जिन में तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- गलत या झूठे वक्तव्य किए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(vi) परीक्षा भवन में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा

(viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा

(ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यप्रेरित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासोक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे —

(क) संस्थान द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए,

(i) संस्थान द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा, उसके अधीन किसी भी नौकरी सेवारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

11. परीक्षा के बाद उम्मीदवारों को संस्थान द्वारा तीन विभिन्न सूचियों में प्रत्येक उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिये गये कुल अंकों द्वारा प्रकट होने वाले योग्यता क्रम के अनुसार रखा जाएगा और इसी क्रम में उसने उम्मीदवारों को, जिन्हें संस्थान परीक्षा द्वारा अर्ह समझा जाएगा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा-ग्रेड-III, सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा-ग्रेड-I तथा भारतीय विदेश सेवा के उप-संवर्ग आशुलिपिक ग्रेड-III में परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने के लिए निश्चित रिक्तियों की संख्या तक नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी।

लेकिन यह भी शर्त कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या न भरी गई हो तो संस्थान द्वारा निर्धारित सामान्य मान के अनुसार उसे उस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए उपर्युक्त घोषित कर देने पर उस सेवा/पद में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों पर नियुक्ति की जाने के लिए परीक्षा में उसके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान किए बिना ही उसकी सिफारिश कर दी जाएगी।

टिप्पणी—उम्मीदवारों को यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है न कि अंक परीक्षा/परीक्षा के परिणामों के आधार पर सेवा के ग्रेड-III में नियुक्ति किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या का निश्चय करने के लिए सरकार पूर्णतः सक्षम है। अतः किसी भी उम्मीदवार का इस परीक्षा में अपने निष्पादक के

आधार पर, एक अधिकार के तौर पर, ग्रेड-III आशुलिपिक के पद पर नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं होगा।

12. अलग-अलग उम्मीदवारों के परीक्षा के परिणामों को सूचना का स्वरूप तथा प्रकार के बारे में संस्थान द्वारा अपने विवेकानुसार निर्णय किया जाएगा और संस्थान उसके साथ परीक्षा काल के बारे में कोई पताचार नहीं करेगा।

13. परीक्षा में सफलता, नियुक्ति के लिए तब तक कोई अधिकार प्रदान नहीं करती जब तक कि सरकार यथावश्यक जांच-पड़ताल के पश्चात् सन्तुष्ट न हो जाय कि वह उम्मीदवार सेवा की ग्रेड-III में नियुक्ति के लिए सब प्रकार से उपयुक्त है।

वह उम्मीदवार जो परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने के पश्चात् अथवा उसमें बैठने के पश्चात् अपने पद से त्याग पत्र दे देता है अथवा सेवा को अन्वया छोड़ देते हैं। अथवा उसके साथ सम्बन्ध विच्छेद कर लेता है, अथवा उसके विभाग द्वारा उसकी नौकरी समाप्त कर दी जाती है अथवा जो उम्मीदवार 'स्थानान्तरण' पर किसी संवर्ग वाह्य पद अथवा किसी दूसरी सेवा में नियुक्त किया जाता है और केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा अथवा भारतीय विदेश सेवा (बी) सामान्य संवर्ग में उसका पूर्व ग्रहणाधिकार नहीं होता है, इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

किन्तु यह उस उम्मीदवार पर लागू नहीं होता जो सक्षम आधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंवर्ग पद पर प्रतिनिधित्व पर नियुक्त किया है।

के० बी० नायर, चयर सचिव

परिशिष्ट

उम्मीदवारों को अंग्रेजी या हिन्दी में दो परीक्षाएं देनी-होंगी— एक 100 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट की तथा दूसरी 80 शब्द प्रति मिनट की गति से 10 मिनट की जो उम्मीदवार अंग्रेजी में परीक्षा देने का विकल्प करेंगे उन्हें क्रमशः 50 तथा 65 मिनट में लिप्यन्तर करना होगा और जो उम्मीदवार हिन्दी परीक्षा देने का विकल्प करेंगे उन्हें क्रमशः 60 तथा 75 मिनट में लिप्यन्तर करना होगा।

आशुलिपी परीक्षा के लिये अधिकतम ग्रंथ 300 होंगे।

टिप्पणी 1:—जो उम्मीदवार आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प लेंगे उन्हें अपनी नियुक्ति के बाद अंग्रेजी आशुलिपिक और जो उम्मीदवार आशुलिपिक परीक्षा अंग्रेजी देने का विकल्प लेंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपिक सीखनी आवश्यक होगी।

टिप्पणी 2:—जो उम्मीदवार विदेशों में स्थित किसी भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहते हैं और आशुलिपिक परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प लेना चाहते हैं उन्हें अपने निजी व्यय पर आशुलिपि की परीक्षाएं देने के लिये विदेश में किसी ऐसे भारतीय मिशन में जहाँ ऐसी परीक्षा लेने के आवश्यक प्रबंध हों, परीक्षा में सम्मिलित होना पड़ेगा।

2. उन उम्मीदवारों का स्थान, जो 100 शब्द प्रति मिनट पर श्रुतिरेख में न्यूनतम ग्रंथ स्तर जैसा कि संस्थान द्वारा स्वेच्छा से निर्धारित किया जाय, पर पास होंगे उन्हें 80 शब्द प्रति मिनट पर श्रुतिलेख में वही स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों से ऊपर रखा जाएगा और उन्हें प्रत्येक वर्ग के व्यक्तियों की प्रत्येक उम्मीदवार को दिये गए कुल ग्रंथों द्वारा प्रकट परस्पर योग्यताक्रम में रखा जाएगा।

3. उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि के नोटों का टाइपराइटर पर लिप्यान्तरण करना होगा और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपने साथ अपने-अपने टाइपराइटर लाने होंगे।

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 दिसम्बर, 1974

नियम

सं० 35/8/74-अ० भा० से० (III)—भारतीय जन सेवा में रिक्तियों को भरने के लिए 1975 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता-परीक्षा के नियम, आम जानकारी के लिये प्रकाशित किए जा रहे हैं:—

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किये गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये रिक्तियों के आरक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किए जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों से अभिप्राय निम्नांकित में उल्लिखित जातियों आदिम जातियों में से किसी एक से हैं। संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (भाग 'ग' के राज्य) आदेश, 1951 जैसा कि बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के साथ पठित अनुसूचित जातियों व अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956 द्वारा यथा संशोधित संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956 संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान (दादर और नगर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादर और नगर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967 संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968 और संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट II में निर्धारित ढंग से लेगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार को या तो—

- (क) भारत सरकार का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) सिक्किम की प्रजा, या
- (ग) नेपाल की प्रजा, या
- (घ) भूटान की प्रजा, या

(ङ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(च) मूल रूप से ऐसा भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीका के कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टेंगानिया (भूतपूर्व टेंगानिका और नंजीबार) देशों से आया हो।

परन्तु उपरोक्त (ग), (घ) (ङ) और (च) बर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

परीक्षा में उस उम्मीदवार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिये पात्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक हो और उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण पत्र दिए जाने की शर्त के अधीन, अनन्तिम (प्रोविजनल) रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिये यह आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जुलाई, 1975 को 20 वर्ष की पूरी हो गई हो किन्तु 26 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जुलाई, 1949 से पहले और 1 जुलाई, 1955 के बाद नहीं हुआ हो।

(ख) ऊपर निर्धारित अधिकतम आयु में निम्नलिखित स्थितियों में और छूट दी जा सकती है:—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष,

(2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में आया हुआ सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भूतपूर्व पूर्वी-पाकिस्तान से आया सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(4) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी हो तथा उसने कभी फ्रेंच भाषा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(5) यदि उम्मीदवार अक्तूबर, 1964 से भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित हो कर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(6) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही अक्तूबर, 1964 से भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति भी हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(7) यदि उम्मीदवार गोवा, दमन और दीव के संघ राज्य क्षेत्र का निवासी हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(8) यदि उम्मीदवार कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टेंगानिया (भूतपूर्व टेंगानिका तथा नंजीबार) से आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(9) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 या उसके बाद, बर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(10) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा, से प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(11) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए,

(12) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी अनुदेश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जाति के हैं,

(13) सीमा सुरक्षा बल के ऐसे कर्मिकों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों, और

(14) सीमा सुरक्षा बल के ऐसे कर्मिकों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष में, विकलांग हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति के हों।

उपर्युक्त परिस्थितियों को छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

6. उम्मीदवार के पास कम से कम परिशिष्ट 1 में उल्लिखित विश्वविद्यालयों में से किसी से प्राप्त बनस्पति-विज्ञान, रसायन, भूविज्ञान, गणित भौतिक और प्राणि-विज्ञान में से एक विषय के साथ स्नातक उपाधि अवश्य होनी चाहिए अथवा कृषि में स्नातक उपाधि अथवा इंजीनियरी की स्नातक उपाधि होनी चाहिए या परिशिष्ट-1 में उल्लिखित ग्रहताओं में से कोई एक ग्रहता होनी चाहिए।

नोट-1—विशेष परिस्थितियों में, संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश किए जाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त ग्रहताओं में से कोई भी ग्रहता न हो बशर्ते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं पास की हो जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसकी परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

नोट-2—यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा परीक्षा में प्रवेश का पात्र हो किन्तु उसने ऐसे विदेशी विश्वविद्यालय से उपाधि ली हो जो परिशिष्ट-1 में सम्मिलित न हो तो वह भी आयोग को आश्चर्य कर सकता है और आयोग, यदि उचित समझे तो, उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

8. सरकारी सेवा में के अन्य सभी उम्मीदवारों को चाहे वे स्थायी पद पर हो अथवा अस्थायी पद पर अथवा कार्य प्रभारित कर्मचारी हो, नैमित्तिक (केजुअल) अथवा दिहाड़ी वाले कर्मचारियों को छोड़कर, परीक्षा में बैठने के लिये विभाग के अध्यक्ष के पूर्व-अनुमति प्राप्त करनी होगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश-प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा।

11. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर लिया गया हो कि उसने—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं जिन में तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी जन्म अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यभिचित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उस—
- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए
 - (i) आयोग द्वारा, ली जाने वाली किस भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
 - (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा, अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार सिविल परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय में निर्धारित करें, तो उसे आयोग व्यक्तिगत परीक्षा के इंटरव्यू के लिये बुलायेगा।

13. यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा के लिखित, भाग के परिणाम-स्वरूप व्यक्तित्व जांच के लिए सफलता प्राप्त करता है तो उसको अलग से कहा जायेगा कि वह अपनी तरजीह का क्रम मंत्रिमण्डल सचिवालय कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग को सूचित करे जिसके अनुसार विभिन्न राज्य संवर्गों में आवंटन के लिए उसके नाम पर विचार किया जाए।

14. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनायेगा और उमी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा, उनको इन रिक्तियों पर नियुक्त करने के लिये सिफारिश की जायेगी। यह भर्ती आरक्षित रूप में न होकर इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर होगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर के अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकने हों तो आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान क्यों ना हो, नियुक्ति के लिये सिफारिश किए जा सकेंगे। बशर्ते ये उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के उभयुक्त हों।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा फाइन की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इसमें नियुक्ति के लिये हर प्रकार से योग्य है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिसमें वह संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित डाक्टरों की परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह बात हो कि इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता है, तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तिगत परीक्षा के लिये आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवार की डाक्टरों की परीक्षा करायी जा सकती है। उम्मीदवार द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा के लिये चिकित्सा बोर्ड की कोई शुल्क नहीं देनी होगी।

नोट :—बाद में निराकरण होना पड़े इसलिये उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों को किस

प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार होना चाहिए, इसके अतिरिक्त इन नियमों के परिशिष्ट 4 में बिये गये हैं।

रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग सैनिकों 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान लड़ाई में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किये गये सीमा सुरक्षा बल के कामियों की सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

मुख्यतः 4 घंटे में 25 किलोमीटर पैदल चलने की श्रमशक्ति परीक्षा की और ध्यान आकर्षित किया जाता है।

18. ऐसा कोई पुरुष/स्त्री।

(क) जिसने किसी ऐसा स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो, जिसका पहले से जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जिसकी पत्नी/जिसका पति जीवित होते हुए उसने किसी स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो,

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे पुरुष/स्त्री तथा जिस स्त्री/पुरुष से उसने विवाह किया हो, उन पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन अनुदेय हो, और ऐसा करने के अन्य आधार हैं, तो उस उम्मीदवार को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती होने से पहले ही हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं को पास करने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवारों को सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती है।

20. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिये भर्ती की जा रही है उनका सक्षिप्त बयान परिशिष्ट III में दिया गया है।

आर० एल० अग्रवाल,
अवर सचिव

परिशिष्ट-1

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची
(नियम 6 के अनुसार)

भारतीय विश्वविद्यालय

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केन्द्रीय या राज्य विधानमण्डल के अधिनियम से निगमित किया गया हो और अन्य शिक्षा संस्थान जो संसद् के अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया हो अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय मान लिये जाने की घोषणा हो चुकी हो।

बर्मा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय
मांडले विश्वविद्यालय

इंग्लैंड और वेल्स के विश्वविद्यालय

बर्मिंघम, ब्रिस्टल, केंब्रिज, डर्हम, लीड्स, लिबरपूल, या लंदन, मैनचेस्टर, आक्सफोर्ड, बैडिंग, ग्लोस्टर और वेल्स के विश्वविद्यालय
स्काटलैंड के विश्वविद्यालय

एबरडीन, एडिनबरा, ग्लास्गो और सेंट ह्यूज विश्वविद्यालय

आयरलैंड के विश्वविद्यालय

डबलिन विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कॉलेज)
नेशनल यूनिवर्सिटी, आयरलैंड
क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट

पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय
सिंध विश्वविद्यालय

बंगला देश के विश्वविद्यालय

ढाका विश्वविद्यालय
राजशाही विश्वविद्यालय

नेपाल का विश्वविद्यालय

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू।

परिशिष्ट - 1 क

परीक्षा के प्रवेश पाने के लिए अनुमोदित योग्यताओं की सूची
(नियम 6 के अनुसार)

1. फ्रेंच परीक्षा, 'प्रोपेड्युटिक'।
2. उच्च ग्राम शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् (नेशनल कौंसिल आफ हायर एज्यूकेशन) से ग्राम सेवाओं के डिप्लोमा।
3. विश्वभारतीय विश्वविद्यालय का उच्च ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।
4. अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का 'उच्च पाठ्यक्रम' यदि 'पूर्ण छात्र' (फुल स्टुडेंट) के रूप में यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया हो।
5. भारतीय बैज्ञानिक संस्थान, बंगलौर की सहाय्यता या शिक्षा-वृत्ति।
6. अमेरिकन विश्वविद्यालय बैरुत, लैबनान द्वारा प्रदत्त बैचलर आफ आर्ट्स (बी० ए०) तथा बैचलर आफ साइन्स (बी० एस०) की उपाधियां।
7. बरिष्ठ सेवाओं और केन्द्रीय सरकार के अधीन पदों पर भर्ती के लिये सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (आल इंडिया कौंसिल फॉर टेक्निकल एज्यूकेशन) से इंजीनियरी या तकनीकी में राष्ट्रीय डिप्लोमा।
8. इंजीनियरी, संस्था (इंडिया) की संस्था परीक्षाओं के 'क' और 'ख' भाग।
9. लाबरा कॉलेज, लेसस्टर शायर का सिविल या यांत्रिक इंजीनियरी का आनर्स डिप्लोमा, बशर्ते कि उम्मीदवार ने प्राथमिक परीक्षा पास कर ली हो या उससे उसे छूट दे दी गई हो।

नोट :— 1 से 6 तक की योग्यताएं तब तक स्वीकृत नहीं होंगी, जब तक उम्मीदवार इन विषयों में से कम से कम किसी एक में पास नहीं हो :—वनस्पति

विज्ञान, रसायन-भू-विज्ञान, गणित भौतिक तथा प्राणि-विज्ञान ।

परन्तु उपर्युक्त विषयों पर निम्नलिखित पाठ्यविद्या लागू होगी,

परिशिष्ट-II

खंड-I

लिखित परीक्षा की रूपरेखा —

भारतीय वन सेवा के लिये प्रतियोगिता परीक्षा के विषयः—

(क) लिखित परीक्षा—

- (I) दो अनिवार्य विषय, अर्थात् सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान (नीचे खंड II का उपखंड (क) देखें) ।

पूर्णांक 300

- (II) निम्नलिखित खंड II के उपखंड (ख) में दिए गए ऐच्छिक विषयों में से चुने गए विषयों। इस उपखंड की व्यवस्था के अधीन उम्मीदवार उनमें कोई दो विषय ले सकते हैं ।

पूर्णांक 400

- (ख) ऐसे उम्मीदवार जो प्रायोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षा के साक्षात्कार के लिये (इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग के अनुसार) बुलाए जाएंगे ।

पूर्णांक 200

खण्ड II

परीक्षा के विषय :—

- (अ) अनिवार्य विषय (ऊपर खण्ड I के उपखण्ड क(I) के अनुसार :—

(1) सामान्य अंग्रेजी	पूर्णांक	150
(2) सामान्य ज्ञान	पूर्णांक	150

- (ब) ऐच्छिक विषय—(ऊपर खण्ड I के उपखण्ड क(II) के अनुसार :—

क्र० सं०	विषय	कोड संख्या	पूर्णांक
(1)	कृषि विज्ञान	01	200
(2)	वनस्पति विज्ञान	02	200
(3)	रसायन	03	200
(4)	सिविल इंजीनियरी	04	200
(5)	भू-विज्ञान	05	200
(6)	कृषि इंजीनियरी	06	200
(7)	रसायन इंजीनियरी	07	200
(8)	गणित	09	200
(9)	यांत्रिक इंजीनियरी	10	200
(10)	भौतिकी	11	200
(11)	प्राणि विज्ञान	13	200

- (I) कोई भी उम्मीदवार (कोड 01 तथा 06 के विषयों को एक साथ नहीं ले सकता है) ।

- (II) कोई भी उम्मीदवार उपर्युक्त (कोड 03 तथा 07 के विषयों को एक साथ नहीं ले सकता है) ।

नोट :— उपर लिखे विषयों का स्तर और पाठ्यक्रम विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिया गया है ।

गण्ड-III

सामान्य

- सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखने होंगे ।
- उपर्युक्त खण्ड II के उपखण्ड (क) और (ख) में उल्लिखित प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 3 घंटे का समय दिया जाएगा ।
- उम्मीदवारों को प्रश्न का उत्तर अपने हाथ से लिखना होगा । और उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी ।
- प्रायोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक (क्वालिफाइंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है ।
- यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिए जायेंगे ।
- अनावश्यक ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जायेंगे ।
- परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि अभिव्यक्ति कम से कम शब्दों में क्रम-बद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग और ठीक-ठीक की गई है ।
- उम्मीदवारों से तोल और माप की मीट्रिक प्रणाली की जानकारी की आशा की जाती है । प्रश्नों के उत्तर में जहां कहीं ऐसा आवश्यक हो, तोल और माप की मीट्रिक प्रणाली का ही उपयोग किया जाए ।

अनुसूची

भाग-क

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों का स्तर ऐसा होगा जिसकी भारतीय विश्वविद्यालय के विज्ञान/इंजीनियरी ग्रेजुएट से आशा की जाती है ।

अन्य विषयों में प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग भारतीय विश्व-विद्यालयों की स्नातक उपाधि (पास) के समान होगा ।

किसी भी विषय में व्यावहारिक परीक्षा नहीं ली जाएगी ।

(1) सामान्य अंग्रेजी

उम्मीदवारों को एक विषय पर अंग्रेजी में निबन्ध लिखना होगा। अन्य प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएंगे जिससे उसके अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के सुन्दर प्रयोग की जांच हो सके।

(2) सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान जिसमें सामयिक घटनाओं का ज्ञान तथा प्रतिदिन के प्रेषण और अनुभव की ऐसी बातों का वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान भी सम्मिलित है जिसकी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों का विशेष अध्ययन के बिना हो जाना चाहिए।

(3) कृषि

उम्मीदवारों को (क) और (ख) या (क) और (ग) के प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

(क) कृषि अर्थ-शास्त्र

कृषि अर्थ-शास्त्र का अर्थ तथा क्षेत्र, अध्ययन का तात्पर्य तथा अन्य विज्ञानों से संबंध, भारतीय आर्थिक स्थिति में कृषि का महत्व, राष्ट्रीय आय की उसकी देने, अन्य देशों से तुलना, भारतीय कृषि-उत्पादन, बिक्री, श्रम, उधार इत्यादि महत्वपूर्ण आर्थिक समस्याओं का अध्ययन।

फार्म प्रबन्ध के अध्ययन के तरीके, इसका अर्थ तथा क्षेत्र, अन्य भौतिक तथा सामाजिक विज्ञानों से संबंध धारणाएं तथा फार्म प्रबन्ध के मूल सिद्धान्त। फार्म के निर्धारण के प्रकार और तरीके, पृथ्वी जल श्रम और साज-सज्जा, फार्म की दक्षता की मापने के तरीके, फार्म के हिसाब-किताब के प्रकार और उद्देश्य, फार्म के अभिलेखे तथा लेखे, आर्थिक लेखा-विधि, औद्योगिक लेखा-विधि तथा पूर्ण लेखा-विधि।

(ख) सस्य विज्ञान

फसल उत्पादन-खरीफ की फसलों का विस्तृत अध्ययन, धान, मक्का, उवार, बाजरा, मूंगफली, तिल, कपास, सनई, मूंग, उद, उनके परिचय सहित बंटन, अपनीय खेत तैयार करना, अच्छे प्रकार के बीज बोना और बीजों की दर, मिलाकर बोना, फसल काटना, भंडार में रखना, फसल की पैदावार का भौतिक निवेश।

रबी की महत्वपूर्ण फसलों का विस्तृत अध्ययन, गेहूं, जौ, चना, सरसों, ईख, तम्बाकू, बैससीम, उनके इतिहास, बंटन, भूमि तथा जलवायु की आवश्यकताएं, बीज की क्यारियों की तैयारी, उक्त प्रकार की किस्में बोना और बीज की दर, निराई, गुड़ाई, कटाई, भण्डार में रखना फसलों का भौतिक निवेश।

घास-पात और घास-पात नियंत्रण, घास-पात का वर्गीकरण, आवास तथा भारत में आवश्यक घास-पात की किस्में। घास-पात द्वारा पहुंचाई जाने वाली हानियां/घास-पात के परिवेक्षण की ऐजेन्सियां और घास-पात के सांस्कृतिक, जैविक और रसायनिक नियंत्रण।

सिंचाई और जल-निकास के सिद्धांत-सिंचाई जल की आवश्यकता और स्त्रोत, फसलों को जल की आवश्यकता की मात्रा, साधारण

जल की लिफ्टें, जल मान, सिंचाई के जल को व्यर्थ जाने से रोकना सिंचाई के तरीके और ढंग और प्रत्येक ढंग के लाभ और कमियां। सिंचाई के जल की माप, पृथ्वी की नमी और पृथ्वी की नमी के विभिन्न प्रकार और उनका महत्व/जल निकास और इसकी आवश्यकता, जल की अधिकता के कारण क्षति पहुंचना, जल निकास के ढंग।

(ग) मृदा-विज्ञान और भूमि संरक्षण

मृदा (सीयल) की परिभाषा, इसके मुख्य अंग, भूमि के प्रो-फाइल भूमि के खनिज कोलाण्डज, धनायन विनियम क्षमता, आधार संतृप्त प्रतिशत, आयन विनियम, पोषे की बढ़ोतरी के लिये आवश्यक पोषक पदार्थ, भूमि में उनकी आकृति और पोषे का पोषक बनाने में उनका कार्य, जैव पदार्थ, इसका गलना, और इसका भूमि के उपजाऊ होने पर प्रभाव, एसिड और क्षारीय मिट्टी उनकी बनावट और भूमि-उद्धार, भूमि के तत्वों पर आग्रिक खादों, हरी खादों और उर्वरकों का प्रभाव/साधारण नाइट्रोजनोफास्फेटिक और पोटेसीय उर्वरकों के गुण।

यांत्रिक बनावट और भूमि की रचना, भूमि रचान्तर, भूमि संरचना, भूमि जल, भूमि-जल के प्रकार, इसकी रुकने की क्रिया भूमि जल का सुलभ होना तथा भूमि-जल का माप।

भूमि का तापमान, भूमि वायु तथा इसका महत्व/भूमि संरचना इसके प्रकार तथा भूमि के भौतिक रासायनिक गुणों पर उनका प्रभाव।

भूमि आकारिकों और भूमि का सर्वेक्षण—भूमि का टूटना मृदा बनाने वाली चट्टानों और खनिजों, मृदा के बनाने में उनका संगठन और महत्व/चट्टानों तथा खनिजों का अपक्षय, मृदा बनाने के कारण और रीतियां तथा संसार के मृदा समूह तथा उनका कृषि संबंधी महत्व, भारतीय मृदाओं का अध्ययन, मृदा का सर्वेक्षण तथा वर्गीकरण। भूमि संरक्षण के सिद्धांत :—मृदा का अपरदन/अपरदन के कारण, भूमि संरक्षण, शस्य तथा इंजीनियरी के प्रचलित तरीकों से संबंधित मृदा के गुण, कृषि भूमियों के लिये भूमि में जल निकास की आवश्यकताएं तथा प्रचलित तरीके, भूमि-प्रयोग का वर्गीकरण, भूमि संरक्षण, योजना तथा कार्यक्रम।

4. वनस्पति विज्ञान—पदप-जगत का सर्वेक्षण—पशुओं तथा पाद में अन्तर जीवित प्राणियों के गुण एक सैल तथा अधिक सैल वाले प्राणी बाहुरस : पादप, जगत के विभाजन का आधार।

2. आकारिका—(1) एक सैल वाले पादप-सैल, इसकी बनावट तथा अंग, सैलों का विभाजन तथा गुणन।

अधिक सैल वाले पादप—

संवहनी और संवहनी-रहित पादपों के तनों में विभिन्नता—संवहनों पादपों की बाहरी तथा आन्तरिक आकारिकी।

3. जीवन इतिहास—नीचे दिए गए पादपों में कम से कम एक प्रकार के पादप का अध्ययन—जीवाणु, साइनाफाइसी, क्लोरोफाइसी, फियोपिथनी, सेडीफाइसी, फाइकोफाइसी, एसकोमीसाइटलस, बैसी डाइयां मोसाइटस, लिबर पोर्टस, कार्बोनां टेरीफाइसस, जिम-नोस्पेरमस और एंजोयोस्पेरमस।

4. वर्गीकों—वर्गीकरण के सिद्धान्त—एजियोस्पनर्ज के वर्गीकरण के प्रमुख ढंग : निम्न प्रजातियों का प्रत्याकृतियों तथा प्राथमिक महत्व—ग्रेकोनिया, साइटोमिनाएं, पाएसोयाएं, लिफोए-साइस भारकोडेसाइसी, मोराइसी, ग्रेगोलहसी, यूसीफ्रास, रोसाइसी, लेगुमानोसाई, सयइसी, भैलियाइसी, सौलेनाइसी रुबिमा सिघाई, कुकरवाई टेसबाई, बरबनाइसी और कम्पोजिटार्ई ।

5. पादप-कामिकों-स्वपोषण, परपोषण, जल तथा पोषक पदार्थों को भीतर लेना, बाष्पमोत्सर्जन, खनिज के पोषक पदार्थों का अवशोषण, बढ़ना, जनन : पादप/पशु संबंध, सहजीवन । परजीवन, किण्वक श्रौंसीमज हार्मोन्स फोटो पैरियो डिजम ।

6. पादप रोग विज्ञान : पादप रोगों के कारण तथा उपचार रोगों, भ्रंग बाइरस, घटोसरो, रोग से बचाव ।

7. पादप परिस्थिति विज्ञान :—परिस्थित तथा पादप भूगोल से संबंधित मूल तथ्य विशेषतया भारत फ्लोरा तथा भारतीय वनस्पति-विज्ञान क्षेत्रों से संबंधित ।

8. सामान्य जीव विज्ञान—साइटोजीजी, उत्पत्ति, पादप प्रजनन छटनी, मंडलवाट, सेक-ओज, उत्परिवर्तन, उत्पत्ति

9. आर्थिक वनस्पति विज्ञान—पादपों के आर्थिक प्रयोग विशेषकर पुष्प-पादप, मानव हित के संबंध में विशेषकर ऐसे वनस्पति उत्पादन से संबंधित जैसे अन्न, दालें, फल, चीनी और चावल, तिल, मसाले, पेय तंतु, लकड़ी, रबड़, बनावट तथा आवश्यक-तेल ।

10. वनस्पति विज्ञान का इतिहास—वनस्पति-विज्ञान के संबंधित ज्ञान के विकास की सामान्य जानकारी ।

(3) रसायन :

1. अकार्बनिक रसायन —

इलेक्ट्रॉनिक तत्वों का विन्यास । अयुफवाउ सिद्धान्त । तत्वों का समयकालिक वर्गीकरण । परमाणु संख्या संग्रहण तत्व तथा उनकी विशेषताएं ।

परमाणु त्वायनिक रेडियो, स्थितिज आयनोकरण, विद्युत आकर्षण तथा विद्युत ऋणात्मक ।

प्राकृतिक तथा बनावट रेडियो-धर्मिता । न्यूक्लीय विखंडन तथा संयोजन ।

इलेक्ट्रॉनिक संयोजनकता का सिद्धान्त । सिग्मा तथा पाई-बान्ड्स समन्वित बान्ड्स के संकरण तथा दिशात्मक स्वरूप से संबंधित ऐच्छिक विचार ।

बार्नेर की योगिक समन्विसा का सिद्धान्त । सामान्य धातु-कर्मिय तथा विश्लेषणात्मक संक्रिया में इलेक्ट्रॉनिक तत्वों के विन्यास की सीमिति ।

आक्सीकरण स्टेट्स तथा आक्सीकरण संख्या । सामान्य आक्सीकरण तथा लघुकारक एजेन्ट्स । आयनिक समता । ऐसिड तथा बेसिज को संबंधित लेविस तथा गाबोनस्टेड सिद्धान्त ।

सामान्य तत्वों का रसायन तथा उनका मिश्रण जिन्हें विशेषतः समयकालिक वर्गीकरण के दृष्टिकोण से माना गया ।

आवश्यक तत्वों के निकर्षण, वियोजन (तथा धातुकर्मिय) के सिद्धान्त ।

हाइड्रोजन पैरामाइट के स्वरूप, डाईग्रेन, अल्यूमिनीयम क्लोराइड तथा नाइट्रोजन फास्फोरस, क्लोराइन तथा सल्फर के आवश्यक ओक्साइड्स ।

अक्रिय गैसों :—वियोजन तथा रसायन : इनार्गेनिक रसायन विश्लेषण के सिद्धान्त ।

निम्नांक उत्पादन की रूप रेखाएं :—

सोडियम कार्बोनेट, सोडियम हाईड्रोआक्साइड, अमोनिया, नाइट्रेट ऐडिस, एल्फरिक ऐडिस, सल्फुरिक एसिड, सिमेंट, शीशा तथा बनावटी उर्वरक ।

कार्बनिक रसायन

2. (ii) कोवलेन्ट बाउन्डिंग के आधुनिक विचार । इलेक्ट्रॉन विस्थापन-प्रेरण, नियोमिरिक तथा हाईप्रोजेनेटिव प्रभाव । संस्पदन तथा कार्बनिक रसायन में इसका प्रयोग । वियोजन नियतांक संबंधी स्वरूप का प्रभाव ।

अलकानीज, अलकानीज तथा अलकानीज । पैटालियम का अर्गनिक मिश्रण के स्रोत । ऐलेपिटिक मिश्रण के साधारण संजात । एल्कोहल, एलिहाइड, केटोन्स, एसिड, बालोडियो, स्टोरिया, इथेरियो, आम्ल एनाहाइड्राइड्स, क्लोराइड तथा एमाण्ड मानोबेसिकल्हाइड्रोफिक, केटोनिक तथा अमानी अम्ल । कार्वा-धार्मिक योगिक मैलोनिक तथा ऐसोटोपेमेडिक इस्टर । आटार-टारिक, साइट्रिक, मैलिक तथा ऐसोटोपेसोटिक इस्टर । सुगन्धित अम्ल । कार्बोहाईड्रेट, वर्गीकरण तथा सामान्य प्रतिक्रिया, ग्लूकोज, फ्रुक्टोज तथा स्यूक्रोज ।

स्टोरियोरसायन, ऐच्छिक तथा ज्यामितोय नमाबयथ । (रचना के सिद्धांत)

(ii) इलेक्ट्रोरसायन, पारडिज का इलेक्ट्रोनिकस का सिद्धांत ।

बेजीन तथा इसके सरल व्युत्पन्नका, टोलीन, एक्लीन, फिनियोल, एल्कोइड, नाइट्रो तथा ऐसीनो योगिक, वैन्जोनिक, सैलिसाइलिक, सिनामिक, मैन्डलिक, तथा सत्पोनिक अम्ल । ऐरोमोटिक ऐलडि-योराइड्स तथा केटोनस । इजो, ऐसो तथा हाइड्रसों योगिक । ऐरोमेट्रिक प्रति-स्थापन । नफताइमोनियो, पिराडाइन तथा क्यूनोलाइन ।

(iii) भौतिक रसायन : किनेटिक के गैसों के सिद्धांत तथा गैसों के नियम । द्रवगतिक के बारे में मैक्सवेल का वितरण का नियम । बान्डोस्वालिया का समीकरण । गैसों के द्रवण का नियम । द्रव्यों के कुछ भौतिक गुण । गैसों के विशिष्ट शीर्ष सी०पी०, टी०सी० पी० का अनुपात ।

थरमोडाइनिक्स, थरमोडाइनिक्स का पहला नियम । आइसोथरमल तथा एडिअबेटिक फेसाव । एन थेलपोनिक ।

(iv) कोलाइडज : कोलाइडल विलयानों की सामान्य प्रकृति और उसका वर्गीकरण गर्मी की क्षमता । जमीरसायन-

गर्मीय का प्रभाव, रचना, विलयन, दाह्यता। बन्ड शक्तियों का समिश्रण। फिछोप का समीकरण।

स्वाभाविक परिवर्तन का मानदण्ड। थर्मोडायमिक्स का दूसरा सिद्धान्त। इटोफो, फ्री इनर्जी। रसायन समन्ता का मानदण्ड विलयन :—परासरण (आसमेटिक) दबाव।

भाप का दबाव कम करना, हिमायन बिन्दु का अवनमन, गर्म, बिन्दु का उन्नयन (ऊँचा उठना) आणविक भाप के विलयन का निर्धारण। सोलिटीज का संगुणन तथा अवगुणन। होना। रसायन सामय :—मास ऐक्सन का सिद्धान्त और इसका सद्श तथा सबत : जनन साभय में प्रयोग किया जाना। लो चेटरलियर का सिद्धान्त। रसायन साम्य के साथ ताप का प्रभाव होना।

(v) इलेक्ट्रो के रसायन, पाराडिज का इलेक्ट्रोलाइसिस का सिद्धान्त, विद्युत अपघट्य की चालकता, सम चालकता तथा धर्ममिश्रण से इसको विभिन्नता-अपर्याप्त रूप से धुलनशील लवण की धुलनशीलता, विद्युत-अपघटनों विघटन, ओस्टवर्ड का अव-मिश्रण का सिद्धान्त, बलशाली विद्युत अपघटनों की असंगति, धुलनशीलता उत्पाद, अम्ल और आघार का बल, लवणों का जल विलयन, हाइड्रोजोनियन संकेन्द्रण, उभय क्रिया, सांकेतिक के सिद्धान्त।

प्रतिवर्त्य कोशिकाएं, स्टेन्डर्ड, हाइड्रोजन तथा कैलोमन इलेक्ट्रोड। इलेक्ट्रो तथा रेड-आक्स-पोटोशिलयस, संकेन्द्रण-कोशिकाएं। पी० एच० का निर्धारण। ट्रासपोर्ट नम्बर, जल का आयनिक उत्पाद पोटोनिशयोमीटर टिटरेक्शनस।

रासायनिक बलगत-विज्ञान, किसी प्रतिक्रिया की आणविकता तथा उसका क्रम। प्रथम क्रम तथा द्वितीय क्रम की प्रतिक्रियाएं। किसी प्रतिक्रिया के क्रम का निर्धारण, तापमान के गुणांक तथा उत्प्रेरक ऊर्जा। प्रतिक्रिया दरों का संघर्ष का सिद्धान्त। उत्प्रेरित समष्टि सिद्धान्त।

प्रवस्था नियम, अन्तर्ग्रस्त शब्दावली का स्पष्टीकरण, एक तथा दो अंगभूत सिद्धान्तों पर प्रयोग। वितरण नियम।

(vi) कोलाइड्स के आयोजन तथा गुणों के सामान्य सिद्धान्त। अभाव। संरक्षात्मक क्रिया तथा गोल्ड नम्बर। अधिशोषण।

उत्प्रेरण: संभाग तथा विभागमांग उत्प्रेरण। प्रोमोटर्स। विषाक्तोत्प्रेरण।

फोटोरसायन: फोटो रसायन के साधारण संयातम्क निर्णयों के सिद्धान्त।

(6) सिविल इंजीनियरिंग

1. भवन निर्माण कार्य सामग्री तथा उस सामग्री के गुण तथा सामर्थ्य।

भवन निर्माण कार्य सामग्री—इमारती लकड़ी, पत्थर, ईंट, चूना, टाइल, सेन्ड सुरखी, मोटार तथा कंक्रीट, धातु तथा फाच-इंजीनियरिंग में प्रयुक्त होने वाली धातु और इलाइज के गुण।

स्टेस तथा स्टेन—हाक्स सिद्धान्त-बैडिंग। डाइशन डाइरेक्ट स्ट्रेस शहतीरों के मुड़ने का इलास्टिक सिद्धान्त केन्द्रीय रूप से

बोझा पड़ने के कारण अधिकतम और न्यूनतम दबाव। बैडिंग मूमेंट और शियर फोर्स के डायाग्राम तथा स्थिर और चल्यमान दबाव के अधीन शहतीरों का विक्षेप।

2. भवन निर्माण, जल प्रदाय और सफाई में सम्बन्धित इंजीनियरिंग।

निर्माण—ईंट तथा पत्थर को चिनाई-दीवार, पर्छा तथा छत, जीने, लकड़ी के दरवाजों पर नक्काशी, छत्तें, दरवाजे खिड़कियां तैयार करना। प्लास्टर, कोने टाक़िर करना, पेंट तथा वार्निश आदि सम्बन्धित अन्तिम कार्य।

भूमि यांत्रिकी (सोयल मैकेनिक्स)—भूमि से सम्बन्धित खोज, भावप भारबहन और भवनों की नीची से सम्बन्धित ज्ञान-डिजाइन बनाने के सिद्धान्त।

भवन निर्माण सम्बन्धी अनुमान तैयार करना—सिद्धान्त, नाप की ईकाइयों, भवनों के लिए उनकी मात्रा निर्धारित करना तथा होने वाले व्यय तथा महत्वपूर्ण मदों के विवरण तैयार करना।

जल प्रदाय-पानी के स्रोत, विद्युतधता की मात्रा, शुद्ध करने की प्रणालियां, जल प्रदाय के ढंग, पम्प तथा बूस्टर आदि की रूप रेखा तैयार करना।

सफाई :—गंदी नालियों, सूफान से बड़े हुए पानी के लिए और मकानों के लिए अपेक्षित नालियों की आवश्यकताएं जाचना, सौपिटकटैक, इम्प्लोफ टैंक, कचरे को रखने के लिए खाईयां तैयार करना—एकटोवेटेड प्लाज पद्धति।

3. सड़क तथा पुलों का सर्वेक्षण तथा संरक्षण (अलाइनमेंट) —रामार्ग के लिए अपेक्षित सामग्री तथा उनके उपयोग-डिजाइन के सिद्धान्त नींव तथा पटरियों के केम्बर, ग्रेडिण्ट, मोड और सुपर एलिकेशन रिटेनिंग वालूस।

निर्माण :—कच्ची सड़कों, स्थिर तथा पानी के बने हुए मेकडेम सड़कों, बिटुमिन्स तलवाली तथा कंक्रीट सड़कों, सड़कों पर नालियां पुल—उनके प्रकार, इकोनिमिकल स्पेन, आई० आर०/सी० लोडिंग, छोटे पुलों के ऊपरी ढांचों के डिजाइन बनाने, पुलों तथा पाकर और कुएं बनाने, पायल तथा कुएं बनाने पायर तथा पिलपाया की नींव के डिजाइन तैयार करने के सिद्धान्त तथा प्राक्कलन तैयार करना।

सड़कों और नहरों के लिए खुदाइयां।

(4) संरचना इंजीनियरिंग—दस्तावे के ढांचे, अनुमत ढांचे, शहतीरों, साधारण तथा तैयार किए गए बट्टे और साधारण छत के अट्रेस और गार्डरों के डिजाइन तैयार करना, स्तम्भों के आधार तथा भारों और मे व बोच से दबाव पड़ने वाले स्तम्भों के लिए ढांचे बनाना—चटकनी लग, रिपट लग हुए और बैल्ड किए हुए जोड़।

आर० सी० सी० स्ट्रक्चर (ढांचे)—प्रयुक्त सामान का विवरण-अपेक्षित मजबूती और उसके हिसाब से उनके प्रयोग

आवृत्त करना। डिजाइन लोड्स के लिए भारती मानके संस्थान के मानक आर० सी० सी० के पदीर्थों में अनुमत स्ट्रेसजोड सीधी ब्रैडिंग स्ट्रेस के अनुसार हों। साधारण रूप से सहारे के साथ लटकते हुए केंद्रीलीयर लट्टे चौकोर तथा टोको शकल के पट्टे जो फर्शों, छतों और लिटल में प्रयुक्त होते हों—चारों ओर से दबाव सहारने वाले स्तम्भ तथा उनके आधार।

(7) भूविज्ञान।

सामान्य भूविज्ञान।

भूमि की उत्पत्ति, व वायु तथा इसका भूतरी भाग, विभिन्न भू-विज्ञान सम्बन्धी तत्व तथा स्थलाकृति विज्ञान उनके प्रभाव। ऋतुएं तथा भूखण, उनका वर्गीकरण तथा भारत में मिट्टी की श्रेणियों, भारत के भू-विज्ञान के आधार पर उप-खण्ड। पैदावार तथा स्थलाकृति विज्ञान, ज्वानामुखी पहाड़ तथा भूकम्प, तथा पहाड़ी का तल विरूपण।

2. संरचना भूविज्ञान-ग्रानय सामान्य संरचनाएं, सनभन, तिलम्बी तथा प्लान बालन और असमाताएं तथा दृष्टांस बनाने के ढंगों का प्रारम्भिक ज्ञान।

3. क्रिस्टल विज्ञान तथा खनिज विज्ञान:

क्रिस्टल साध्य क्रिस्टल विज्ञान के नियम तथा क्रिस्टलों की विशेषताएं तथा यमूल सम्बन्धी प्रारम्भिक ज्ञान।

महत्वपूर्ण शैल निर्माण का अध्ययन, जिसमें वृद्धा के खनिज तत्वों के रासायनिक गुण, उसके भौतिकी गुण, प्रकाशीय गुणा उसमें परिवर्तन तथा उसके वाणिज्यिक उपयोग।

4. आर्थिक भू-विज्ञान:

भारत के महत्वपूर्ण आर्थिक खनिजों तथा उनके निक्षेपों, कच्ची धातुओं के उद्गम तथा उनके वर्गीकरण से सम्बन्धित अध्ययन।

5. पेट्रोलोजी—

प्रमितय, दाने दार और परतदार शैल को उनके उद्गम और वर्गीकरण सम्बन्धी प्रारम्भिक ज्ञान, सामान्य शैल श्रेणियों का ज्ञान।

6. स्तरित शैल विज्ञान।

स्तरित शैल के सिद्धान्त भूविज्ञान सम्बन्धी। रिकार्ड का अव्य विज्ञान सम्बन्धी तथा काल सम्बन्धी उपखण्ड। भारतीय स्तरित शैल विज्ञान की मुख्य मुख्य बातें।

7. जीवाणन विज्ञान—विकास के सम्बन्ध में जीवाणन विज्ञान सम्बन्धी तत्वों का प्रभाव, जीवाणन (पासिल) उनके प्रकार तथा संरक्षण के ढंग। आकृति विज्ञान तथा पशु और पौधे जीवाणों के प्रधान रूपों में उसके वितरण का प्रारम्भिक विज्ञान।

8. बायि इंजीनियरिंग—

(1) भू तथा जल संरक्षण—भूसंरक्षण की वाइड्या तथा उसका क्षेत्र, भूरक्षण के प्रकार तथा मिकेनिकल (जल विज्ञान) उनके कारण, जल विज्ञान सम्बन्धी शक, वर्षा तथा जलवाह, उन पर प्रभाव डालने वाले तत्व

तथा उनके आकार स्ट्रोम गोर्जिंग, वर्षा के जलवाह का मूल्यांकन, भूरक्षण पर नियंत्रण के उपाय, जैविक तथा इंजीनियरिंग।

मूल भूत खुले हुए जलभागों का बनाना। भू-संरक्षण सम्बन्धी ढांचों, टेल, बांध, नालियों तथा घास उगाते हुए पानी के निकास के भागों का डिजाइन बनाना, बाढ़ नियंत्रण के सिद्धान्त। बाढ़ के पानी के निकासी के लिए मार्ग बनाना, फार्म के लिए तालाब तथा मिट्टी के बांध तैयार करना नदी के किनारों पर भूसंरक्षण तथा उसका नियंत्रण, वायुजनिक भू संरक्षण तथा उस पर नियंत्रण, जल संवरण की देखभाल के सिद्धान्त।

नदी घाटी प्रयोजनाओं से सम्बन्धित जांच तथा योजनाओं को तैयार करना।

2. सिचाई तथा ड्रेनेज—भूमि-जल-पौधों के पारस्परिक सम्बन्ध। सिचाई के क्रोत तथा प्रकार। लघु सिचाई प्रयोजनाओं की योजना तथा डिजाइन तैयार करने—मिट्टी की नमी का पता लगाने की तकनीकी। जल के उपयोग, तथा जलपान फसलों के लिए सम्बन्ध आवश्यकताओं का परिमाणन तथा उसका व्यय। ओफिसियल, नालों तथा नालियों में जल प्रवाह भापने के ढंग, सिचाई के ढंगों की रूपन रेखाएं बनाने। नहरों, सतों की नालियों, पाइप लाइनों, हेड गेट्स, डाइवर्जन वाक्स स्ट्रक्चर तथा रोड आसिंग के डिजाइन बनाना तथा उनके निर्माण करना। भूजल प्राप्ति। कुओं को द्रव्य इंजीनियरिंग। कुओं के प्रकार, उनके निर्माण तथा उनकी बुदाई के ढंग, कुओं के विकास, कुओं को टेस्ट करना।

ड्रेनेज—परिभाषा-जलप्राप्ति के कारण। ड्रेनेज के ढंग सिचाई की जाने वाली भूमि में नालियों को बनाना। तल तथा भूमि से नीचे नालियां बनाने के डिजाइन, नालियों को तैयार करना।

3. निर्माण सामग्री—निर्माण सामग्री के प्रकार—उनके गुण। टिम्बर विग्रबक तथा आर० सी० कस्टसन, गहतीरों, छतों के जोड़ तथा स्तभों के डिजाइन तैयार करना। फार्म स्टेग की योजना बनाना। फार्म हास, रैवखाने तथा भंडार के लिए ढांचों का डिजाइन बनाना। ग्रामीणजल प्रदाय तथा सफाई की व्यवस्था।

4. फार्म विद्युत तथा मशीनरोड।

भिन्न-भिन्न प्रकार के आंतरिक कम्प्यसन इंजिन लगाना। आंतरिक कंबेशन इंजिनों का वातानुकूलन तथा नियंत्रण तथा उनमें तेल डालना और उनके लिए जलने की सामग्री उपलब्ध करना। ट्रैक्टरों, चौसी, ट्रांसमिशन और स्टेयुरिंग के भिन्न-भिन्न प्रकार। प्रारम्भिक तथा माध्यमिक जुताई के लिए कृषि की मशीनरी, बीजने की मशीनरी, गुहाई के औजार आदि। पौधों के संरक्षण का समान। फसलों की कटाई, खनाज गाहने के औजार।

5. बिजली तथा ग्रामों में बिजली उपलब्ध करना—बिजली तैयार करना तथा उसका वितरण। ए० सी० पी० तथा बी० पी० सर्किट।

फार्मों में बिजली के उपयोग। कृषि में प्रयोग होने वाले बिजली तैयार के मोटर, उनके प्रकार सम्बन्धी चयन, उन्हें लगाना तथा उनकी देख रेख।

(9) रसायन इंजीनियरिंग।

1. परिवहन की घटनाएं (स्थिर स्थिति के घर्षण)

(क) मोमन्टस ट्रांसपर : (I) फलों विभिन्न ढंग तथा उनके मापदंड।

(II) वेलोसिटी प्रोफाइल।

(III) पिस्ट्रेशन, सडिमेंटेशन, संछोपयुज।

(IV) तरल पदार्थों में ठोस पदार्थों का बहाव।

(ख) ऊष्म स्थानांतरण : ऊष्म स्थानांतरण के विभिन्न ढंग। कपेट, बेसनाकार, बर्गीकार, एकमात्र तथा मिश्रित, शोशों की तहों के लिए गति मापना।

कन्वेक्शन फोर्ड और फ्री कन्वेक्शन में प्रयुक्त विभिन्न डाइमेंशन रहित ग्रुप। अलग तथा पूर्ण रूप से स्थानांतरण का रूप निर्धारित करना। वाष्पीकरण—विकोषण-स्टेपन बोल्डस का नियम-एमिलिविटी तथा एवजोविटिटी। ज्योमेट्रीकल शेष फोर्डर, भट्टियों में ऊष्मा के दबाव का हिसाब लगाना।

(ग) संहित स्थानांतरण, गैसों तथा तरल पदार्थों का विसरण। एडजोर्पशन, वियोर्पशन ह्यूमिलिफिकेशन, डोह्यमिलिफिकेशन, ड्रीडिंग तथा डेज्यूलेशन। मेमिटम हीट तथा भाप और ट्रांसपर के ब्रेड।

2. थर्मोडायनेमिक्स

(क) थर्मोडायनेमिक्स के प्रथम, द्वितीय और तृतीय नियम।

(ख) इंटरनल एनर्जी एन्ट्रॉपी, एन्थाल्पी और फ्री एनर्जी का निर्धारण। सजातीय तथा विजातीय सिद्धांतों के लिए केमिकल इक्विलिब्रियम कांस्टेंट निर्धारित करना। कंवेक्शन डिस्टिलेशन तथा ऊष्मा स्थानांतरण में थर्मोडायनेमिक्स का उपयोग। तरल पदार्थों, ठोस और तरल पदार्थों तथा ठोस पदार्थों के मिश्रण के सिद्धान्त तथा मैकेनिज्म।

3. प्रतिक्रिया इंजीनियरिंग।

(i) फनेटिक्स, सजातीय और विजातीय प्रतिक्रियाएं प्रथम और द्वितीय प्रकार की प्रतिक्रियाएं। बच तथा फ्लोरिक्टर तथा उनके डिजाइन।

(ii) केटेलसिस-केटेलसिस का चुनाव, तैयारी

मेकनिज्म पर आधारित केटेलसिस की मिनेनिक रूप (समरचना)।

4. ट्रांसपोर्टेशन-सामग्री, विशेषतः पउडरों, रेजिन, उड़ जाने वाले तथा न उड़ने वाले तरल पदार्थ, एमल्शन, और डिसपर्सन,

पंपों कोसरो तथा तूलावर एकत्रित करना तथा उन्हें एक ध्यान से दूसरे स्थान तक ले जाना। मिक्सचर मिलाने का सिद्धांत तथा प्रतिक्रिया।

5. सामग्री—वे मामले जिनसे रसायनिक उद्योग में निर्माण की सामग्री का चुनाव किया जाता है। धातु-एलाय सैरमिक प्लास्टिक तथा रबर। इमारती लकड़ी तथा उससे बनी चीजें, प्लाईवुड लेमिनेट। वाट और बरलों, फिल्टर प्रेशियर आदि के निर्माण के लिए उपस्कर तैयार करना।

6. इन्स्ट्रुमेंटेशन तथा प्रक्रिया नियंत्रण—हाउट्रोलिक, न्यूमेरिक, थर्मल, ऑप्टिकल योगनेटिक, अलेक्ट्रिकल तथा अलेक्ट्रो-निक प्रोजार, नियंत्रण तथा नियंत्रण के ढंग। आटोमेशन।

10. गणित —

भाग (क)

बीज गणित : समुच्चय (सेट्स) बीज गणित, सम्बन्ध तथा फन (फंक्शन) फलन का विलोम, मिश्रित फलन, तुल्यता सम्बन्ध संख्या : पूर्ण संख्या, परिमेय संख्या, वास्तविक संख्या, (गुण धर्मों के विवरण) समिश्र संख्या, सम्मिश्रित संख्याओं का बीज गणित।

समूह : उप-समूह, सामान्य उप समूह चक्रीय तथा कमचर समूह, लागरैन्ज की प्रमेय आइसोमोर्फिज्म, परिमेय इन्वेक्स की डो-मोइवरस प्रमेय तथा इसके प्रयोग।

समीकरण के सिद्धान्त : बहुपदीय समीकरण, समीकरणों का रूपान्तरण, बहुपदीय समीकरणों के मूलों तथा गुणकों के बीच सम्बन्ध, धन मूलों तथा चतुर्थांश समीकरणों का सममिति एलक, मूलों का स्थान निर्धारण तथा मूल निकालने का न्यूटन का सिद्धांत।

आव्यूह (मैट्रिक्स) : आव्यूहों—सारणिकों का बीज गणित; सारणिकों का साधारण गुणधर्म, सारणिकों का गुणनफल; सह खंडज आव्यूह, आव्यूहों का प्रतिरोमीकरण, आव्यूहों की कोटि रेखीय समीकरण (तीन अंश) के सरलीकरण में आव्यूहों का प्रयोग।

असमताएं : 'गणित तथा ज्यामितीय माध्य, कोशी की श्वार्डस-असमता (केवल परिमित संख्याओं के लिए)।

दो तथा तीन घातों (विभितियों की वैश्लेषिक ज्यामित : दो विभितियां (घातों) सरल रेखाएं, युगल सरल रेखाएं, वृत्त निफाय, दीर्घवृत्त, परवलय, अतिपरवलय (मुद्दयाक्ष के नाम से निर्दिष्ट)। द्वितीय अंश के समीकरण का मानक रूप तक लघु-करण। द्विज्याएं तथा अभिलम्ब।

तीन विभितियों की वैश्लेषिक ज्यामित—

समतल सरल रेखाएं तथा भ्रम (केवल कार्तीय निर्देशांक)।

गणित तथा अवकलन समीकरण—

अवकलन गणित—सीमा संकल्पना, एक वास्तविक चर के फलन की निरन्तरता तथा अवकलनीयता, मानक फलनों की व्युत्पत्ति, उत्तरोत्तर अवकलन, रोल-प्रमेय, माध्यमान प्रमेय,

मेकलरिन तथा टेलर श्रेणी (सबूत की आवश्यकता नहीं) तथा उनका प्रयोग, परिमेय इन्डेक्स की द्विपद-संहति, घातीय वितार लघुगुणकीय, त्रिकोणमितीय तथा अनिपरवल्यिक फलन । अनिघातित रूप किसी एकल चर के फलन के अनिश्चित पद, महत्तम तथा लघुत्तम, ज्यामितीय प्रयोग जैसे स्पर्श रेखा, अभिलम्ब, अघः स्पर्श-रेखा, अघः अभिलम्ब, अनन्तस्पर्शीय वक्रता (केवल कार्तीय निर्देशांक) । अन्वालोपी, आंशिक अवकलन, संभाग फलनों के लिए प्रायकर—प्रेमेय ।

समाकलन गणित : समाकलन को मानक विधि, सतत फलनों, की सीमित समाकलन को रोमन की परिभाषा । समाकलन गणित की मूल प्रमेय, परिक्रमण ठोस के चापकलन, क्षेत्रकलन, प्रायतन तथा समतल क्षेत्र, सांख्यिकीय समाकलन के लिए सिन्सन का नियम, अनुक्रमों तथा श्रेणियों का अभिसरण, घन संख्याओं के साथ श्रेणी अभिसार परीक्षा अनुपात मूल तथा गौस परीक्षा । एकांतर श्रेणी ।

अवकलन समीकरण : मानक प्रथम क्रम अवकल समीकरणों का हल । द्वितीय तथा उच्चतर क्रम की रेखीय अवकल समीकरणों के साथ अचर गुणांक । वृद्धि तथा क्षय सम्बन्धी समस्याओं का सरल प्रयोग, सरल आवर्त गति, सरल लोलक तथा उसके सद्श ।

भाग (ख)

यान्त्रिकी, सादिस (वेक्टर) पद्धति का प्रयोग किया जा सकता है । सांख्यिकी —एक बल का अभ्यावेदन, बल समान्तर चतुर्भुज, बल का निपटान व विघटन और समतलों व समवर्ती बल की संतुलन का प्रतिबन्ध । बल त्रिभुज । सजातीय और असदृश्य समतलीय बल । धूर्ण (मामेन्टस) युग्म (कपिल्स) । समतलीय बल के संतुलन के लिए सामान्य प्रतिबन्ध, साधारण निष्कर्षों का गुरुत्वाकर्षण केन्द्र ।

धर्षण—स्थितिक (स्टैटिक) और सीमांत धर्षण, धर्षण कोण, एक रफ नस समतल पर कण का संतुलन, सरल प्रोब्लेमस, सरल यंत्र ।

(लीवर, पुलेज की पद्धति,) उपस्कर (गियर) । आभासी कार्य (दो परिमाणों) गतिके (डैनीमिक)—शुद्धगति विज्ञान—एक कण का स्थानान्तरण, चाल वेग और त्वरण, सम्बन्धित वेग, लगातार त्वरण के अधीन एक सीधी रेखा में गति । गति के बारे में न्यूटन का सिद्धांत, नियम । केन्द्रीय परिक्रमा । सरल ह्रात्मक गति, गुरुत्वाकर्षण के अधीन गति (शून्य में) प्रावेग कार्य और शक्ति, शक्ति और रेखीय संवेग का संरक्षण । एक रूपता परिचालन गति ।

ज्योतिष गोलीय त्रिकोणमिति-ज्या (साइन) और कोज्या सूत्र, समकोण गोलीय त्रिकोण का गुणधर्म ।

गोलीय ज्योतिषः— खगोल, निर्देशांक-पद्धति, और उनका परिवर्तन, दैनिक गति, नक्षत्र और सौर समय, मध्य सौर समय, स्थानीय और मानक समय, समय समीकार, सूर्य और तारों, का उदय और अस्त होना । क्षितिज में शूकाव, ज्योतिषीय धर्षण, सांध्य प्रकाश, लंबन (पारालैक्स), विपथन (अब्रेशन), अयन

(प्रसेशन) और विदोलन (न्यूटेशन) क्लिपर का सिद्धांत । दृष्टि कक्षा और स्तब्ध बिन्दु, चन्द्रमा की आभाषी गति, चन्द्र कलाएं, ज्योतिषीय तंत्र-सैक्सटेन्ट, संचारित तंत्र ।

सांख्यिकी :—सम्भावना :— सम्भावना को श्रेणीबद्ध और सांख्यिकीय परिभाषा, कम्बिनेटोरियल सिद्धांत के सम्भावना धा जोड़, जोड़ तथा गुणा का सिद्धांत, सशत सम्भावना, यादृच्छिक चर (रैन्डम वेरियेबल्स) वित्तिक और सतत), डेनसिटी, फलक, गणतीय प्रत्याशा ।

मानक बंटनः—द्विपद—परिभाषा, माध्यम और प्रसारण, टेहापन, सीमान्त रूप सरल अनुप्रयोग, प्वास-परिभाषा, माध्यम और प्रसरण, संयोज्यता अनुधर्म, डाटा देने के लिये प्वासों का बंटन व फिटिंग ।

अनुक्रम (नीर्मल)—सरल प्रोपर्टीन और सरल अपलिकेशनस, डाटा देने के लिये नार्म डिस्ट्रिब्यूशन फिटिंग करना ।

द्विचर बंटनः—परस्पर संबंध, दो चर एक घात समाश्रयण जिससे दो चर शामिल हों, सीधी रेखा का फिटिंग, परवलिक और घातीय वक्र प्रोपर्टीज का सह संबंध गुणका ।

सरल प्रतिदर्शी बंटन और परिकल्पना हाइपोथीसिस की सरल परीक्षा

स्थालीपुलाक (रैन्डम सेम्पल) सांख्यिकी, प्रतिदर्शी बंटन और मानक त्रुटि । नार्मल की सरल अपलिकेशन, विभिन्न माध्यम के टी०, वी० और एफ० के बंटन की परीक्षा के लिये विभिन्न माध्यम की सार्थकता ।

II. मिकेनिकल इंजीनियरिंग

(i) पदार्थों की शक्ति ।

स्ट्रेसेज तथा स्ट्रेन—हुक का नियम ।

1. पदार्थों तथा स्ट्रेन—हुक का नियम ।

स्ट्रेसेज तथा स्ट्रेन—हुक का नियम तथा इलास्टिक कार्टेजस के बीच के संबंध—ग्रेशन व कंप्रेशन में कम्पाउंड बार्स तथा तापमान में परिवर्तन के कारण हुए स्ट्रेसेज ।

साधारण लदान के लिए मामलों सहारे के साथ त्वलटके हुए और क्ली वीवर बीम्स में बैडिंग मोमेंट इयर फोर्स तथा डिफ्लेक्शन ।

राउंड बार्स में टार्शन—शेफ्ट स—शेफ्टल द्वारा बिजली ट्रांसमिशन स्प्रिंग । कम्पाउंड बैडिंग और डायरेक्ट स्ट्रेस तथा कम्पाउंड व टोशन के सामान्य मामले ।

फ्लोर की इलास्टिक ब्योरो—स्ट्रेस कंसंट्रेशन तथा फेटोन ।

2. मशीनों और मशीन डिजाइन का सिद्धांत ।

मशीनों के पुर्जों को सापेक्ष बेलोसिटी ग्राफ तथा हिसाब लगाकर दिखाता इंजनों के ब्रेक ऐफर्ट डायाग्राम—फुलार्ड—मोर्स की गति के अन्तर वनर्नस । वेल्डिग द्वारा ट्रांसमिट की गई बिजली । अनेत्स तथा प्रस्ट बोयुरंग, बाल तथा शेलर बोयुरंग को पिक्कान तथा त्यब्रोकेनशन । फासनिंग और लोकिंग डिवाइस के डिजाइन बनाना । रिबेट लगाये हुए, पेच के साथ अथवा वेल्ड करके कैसे जोड़ें और फासनिंग के लिये मात्राएं ।

3. प्रयुक्त बमोडाइनोमिकल—

पर्याप्त-कहरशन (दहन) एयर सप्लाई-पयूएल तथा एक्जीन्ट गैसों का विश्लेषण ।

बोई सलर्स, सुपरहाटर्स तथा इकोनोमाइजर्स-बोईलर्स माऊटिन्स तथा एक्सेरीज-बोइलर ट्रायल ।

वाय्व के भौतिक तत्व-बाध्य संबंधी सारणियां तथा उनके उपयोग ।

धर्मांडायनेमिक्स के नियम—गैस संबंधी नियम—गैसों का विस्तार तथा संपीडित-एयर कम्प्रेसर्स ।

आदर्श तथा वास्तविक इंजन क्रम-तापमान का उपयोग ऐंट्रोपी तथा प्रेसर-बोल्यम के चार्ट तथा वाया ग्राम ।

साधारण वाष्प इंजिन तथा आन्तरिक दहन वाले इंजिन ।

इंटावेटर तथा इंडाकेटर्स के डायग्राम-मिकेनिकल । थर्मल एन्थन स्टैंडर्ड और वास्तविक द्रवताएं-सामान्य निर्माण—इंजन की ट्रायल तथा हीट बैलेंस ।

4. प्रोडक्शन इंजीनियरिंग

ग्राम मशीन टूलस—लम्पों, शेयर, प्लेनर, ड्रिलिंग मशीनों के सिद्धांत तथा डिजाइन पोचर-मिन्स मशीनी-ग्राइडिंग मशीनें जिग तथा फिक्स्चर । धातुओं काटने के औजार-टूल मेटोसियल-टूल ज्यामिति । कटिंग फॉर्सिज एक्सासिव व्योल्स । बेल्डिंग, बेल्डो-विलिटों तथा विभिन्न बेल्डिंग प्रक्रियाएं-बेल्डों का टेस्ट करना ।

पोमिंग प्रोसस-धातुओं का मौल्डिंग, कास्टिंग, फीजा रोलिंग तथा डाइंग ।

मैट्रोलोजी-साइनियर तथा एंगुलर परिमाण-सर्फस फिनिश-आप्टोकल इस्ट्रुमेंट्स ।

उद्योग इंजीनियरिंग-मैथड स्टडी एण्ड वर्क मैनेजमेंट-मीशन-टाइप संबंधी विवरण-वर्क सेम्मीला-जाव का मूल्यांकन-वेतन तथा प्रोत्साहन आयोजन नियंत्रण तथा प्लांट की रूपरेखा तैयार करना ।

5. फ्लुइडमिकेनिक (तरल यांत्रिक) तथा जल शक्ति ।

बरनौली का समीकरण थर्मूविंग प्लेट तथा वन-पम्प तथा टरबाईने डिजाइन गेज्मोकेशनम् और विशिष्ट वक्र, समानता के सिद्धांत, गर्वानिंग-हाईड्रोलिक एकुडोलिक एकुमुलेटर तथा इंटेसाव फायर फ्रेन तथा लिफ्ट सर्व टैंक स्ट्रोलज रिजवायर ।

(12) भौतिकी

पदार्थ के सामान्य गुण और यांत्रिकी ।

एक तथा आयाम, स्केलर एण्ड केक्टर ग्रंथाटोडोज जडत्व की गति, कार्य, ऊर्जा संवर्ग II यांत्रिकी के आधारभूत नियम, परिमूर्ण गति, गुरुत्वाकर्षण, साधारण कार्मनिक गति, सरल तथा मिश्रित लालक, केटर्स लोलक, प्रत्यास्ता, तन-तनाव, तरल पदार्थों की विस्कोसिटी, रीट्रोपम्प मैकलोडगाज ।

2. ध्वन ।

अधिनियत प्रमोदित तथा मुक्त कम्पन, तरंग गति, डोपलर प्रभाव, ध्वनि तरंगों का वेग, गस म ध्वनि के वेग पर दबाव, तापमान

तथा आद्रता का प्रभाव, डोरियों, बार, प्लेटों तथा गैस स्तम्भ का कम्पन, विस्पद, स्थिर तरंगे, वाष्पारता-मापन, ध्वनि का वेग तथा उसको तीव्रता स्क्रेम, वास्तकला में ध्वनिको, अल्ट्रासोनिका के तत्व, ग्रामोफोन, टाकीज तथा लाएडस्पीकरों के सिद्धांत ।

3. ऊष्मा तथा ऊष्मा-पेविगिको—

तापमान तथा उसका परिमाण, ऊष्मा विस्तार, गैसों में संतोपों तथा एडियेक्टिक परिवर्तन, विशिष्ट ऊष्मा तथा ऊष्मता चालकता, किनोटिक के पदार्थ संबंधों सिद्धांत के तत्व वोल्ट्ममेन के वितरण नियम के बारे में भौतिक विचार, वान-डर-वाल कास्टेट्स समीकरण, जूल डाम्मन का प्रभाव गैसों को तरल रूप देना, ऊष्मा इंजन, कर्नोट का प्रमेय, ऊष्मा प्रवेगिकों के सिद्धांत तथा उनका सरल प्रयोग, ब्लैक बाडी रेडिस्वान ।

4. प्रकाश :

रेसिकीय कशिकों । प्रकाश का वेग । सम तथा गोनीय पृष्ठ पर प्रकाश का परावर्तन तथा अपवर्तन, चाक्षुष प्रतिबिम्ब म दोष तथा उनका सुधार, नेत्र तथा अन्य चाक्षुष साधन, प्रकाश का तरंग सिद्धांत, व्यक्तिकरण, सरकल व्यक्तिकरण मापों, वियर्तन वियर्तन-प्रटिंग प्रकाश का घुण, स्पेक्टस विज्ञान के तत्व ।

5. विद्युत तथा चुम्बकत्व :

साधारण मामलों में क्षेत्र तीव्रता तथा शक्यता आकलन । गौसका प्रमेय तथा उसके सरल प्रयोग, इलेक्ट्रोमीटर । किसी क्षेत्र के लिये अपेक्षित ऊर्जा, पदार्थ के विद्युत तथा चुम्बकत्व संबंधी गुण, शैध्रित्स, चम्कशीलता तथा वारता । विद्युत धारा के कारण सनित चुम्बकत्व, गतिमान, चुम्बक, तथा कौइल मत्येनोमीटर धारा के तथा संघर्षण का परिमाण, प्रतिक्रियात्मक सकित तत्वों के गुण तथा उनका निर्धारण, ऊष्मा-विद्युत प्रभाव, इलेक्ट्रोमैगनेटिक इंडक्शान, ए०सी० करंट, ट्रांसफार्मर और मोटरों का उत्पादन इलेक्ट्रोनिक वाल्व तथा उनके साधारण प्रयोग ।

बोहर के ऐटम सिद्धान्त के तत्व, इलेक्ट्रोन, केयेड किरणें तथा एक्सरेज । इलेक्ट्रोनिक चार्च तथा पारा का परिमाणन ।

(13) प्राणी विज्ञान

पशु जगत का मुख्य मुख्य दलों में वर्गीकरण, विभिन्न श्रेणियों के विशिष्ट लक्षण ।

निम्नलिखित नान कोडेट के दोचों, आवते तथा जीवन विवरण:—

अमोवा, मलेरियल परजीवी, स्पंज, हाइड्रा, लिबरफ्यक, टेपवार्मा/राउडवार्मा, ग्रंथवार्मा, लोच, काकरोच, धर में मक्खी-मच्छर बिच्छू, प्रेश्वार्टर मसल, पोंड स्नेल तथा स्टारफिश (केवल बाहरी विशिष्टताएं)

कीटों का आर्थिक महत्व, निम्नलिखित कीटों का जीवन-विवरण तथा बायोनेमिक्स : टमाईट, टिड्डो, शहद की मक्खी तथा रेशम के कीड़े ।

कोरडगा का वर्गीकरण ।

निम्नलिखित काट्ट्रेट श्रेणियों का ढांचा तथा उनकी तुलनात्मक शरीर रचना :

आक्योस्टोमा, स्कोलोडीन, मेंढक, यूरानेस्टिका या अन्य कोई छिपकली, (बेशानस का पंजर), कबूतर (पक्षियों का पंजर) तथा खरगोश लूहा, गिलहरी। मेंढक और खरगोश के संदर्भ में पशुरीर के विभिन्न भागों की हिस्टोलोजी तथा फिज्योलोजी, ऐंडी-करीन गेण्ड तथा उनके कार्य का प्रारंभिक ज्ञान।

मेंढक तथा कुक्कर के शारीरिक ढांचों के विकास तथा मेम्ब्रेलियन प्लेसेंटा के कार्य संबंधी ज्ञान।

विकास नमलों के भेद, सम्मिलन, रोकेंपोचुलेशन के सामान्य सिद्धान्त मेडोलियन।

विकास और नसलों की भिन्नता के सामान्य सिद्धान्त, अनुकूलन प्रत्यास्पर्ण-परिकल्पना, मेडोलियन को वंशानुगति, परनरजनन के नौन भिन्न तथा यौन प्रकार, अर्निधक जनन, कार्यान्तरण।

भारतीय पशुजगत के विशिष्ट संदर्भ में, पशुओं का कवक विज्ञान और भू-विज्ञान संबंधी वर्गीकरण।

भारत के वान्य प्राणी, जिसमें जहरीले और बिना जहर वाले और ओषिष्ठ पक्षी शामिल हैं।

भाग छ

व्यक्तिगत परीक्षा

उम्मीदवारों का साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जायेगा, जिसमें प्रख्यात शिक्षा शास्त्री भी होंगे। बोर्ड के सामने उम्मीदवार का मर्यादीत जीवन-वृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इस सेवा के लिये व्यक्तित्व की दृष्टि से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल अपने विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूक्ष्म-बुद्धि के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधाराओं में और उन नई खोजों में रुचि लें, जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

इन्टरव्यू महज जिरह की प्रक्रिया नहीं है अपितु स्वाभाविक निवेशन और प्रयोजन युक्त वातावरण की प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों की मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति का उद्घाटन करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों का मानसिक सतर्कता आलोचनात्मक, ग्रहण शक्ति संतुलित निर्णय की शक्ति और मानसिक सतर्कता सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक इमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

परिशिष्ट III

(नियम 21 के अनुसार)

भारतीय वन सेवा संबंधी संक्षिप्त व्यौरा (नियम 21 के अनुसार) —

(क) नियुक्तियाँ परस्पर की जायेंगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवारों को परख की अवधि में, भारत सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य-कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(ग) परख-अवधि के समाप्त होने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो, तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसको परख-अवधि को, जितना उचित संभव हो, बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी, ऊपर खंड (ख) और (ग) के अन्तर्गत, सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) भारतीय वन सेवा के अधिकारी से केंद्रीय सरकार का राज्य सरकार के अन्तर्गत, भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएँ ली जा सकती हैं।

(च) वेतनमान :—

जूनियर वेतनमान	₹० 400-400-450-30-600 35-670-६० रो०-35-950 ।
सीनियर वेतनमान	₹० 700 (छठे वर्ष या उससे पहले)-40-1100-50/2-1250 ।
वनपाल	₹० 1300-60-1600-100-1800 ।
उप-वन महा-निरीक्षक	(राज्यों में जहाँ ऐसा पद विद्यमान है) ₹० 1800-100-2000 ।
अपर मुख्य वनपाल	(राज्यों में जहाँ ऐसा पद विद्यमान है) ₹० 2000-125-2250 ।
मुख्य वनपाल	₹० 2000-125-2250 ।
उप मुख्य वनपाल	₹० 1800-100-2000 जमा 300 प्रतिमाह विशेष वेतन ।
वन महानिरीक्षक तथा भारत सरकार पदेन अपर सचिव	₹० 3000.00 नियत) ।

महंगाई भत्ता : समय समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार मिलेगा। परखाधीन अधिकारियों की सेवा जूनियर समय में प्रारम्भ होगी और उन्हें परख पर बिताई गई अवधि को समय-मान वेतन-वृद्धि छुट्टी का पेंशन के लिये गिनने की अनुमति होगी।

(छ) भविष्य निधि—भारतीय वन सेवा के अधिकारी, अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(ज) छुट्टी—भारतीय वन सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(झ) डाक्टर परिचर्या—भारतीय वन सेवा के अधिकारियों अखिल भारतीय सेवा (डाक्टर परिचर्या) नियमावली,

1954 के अन्तर्गत अनुमत्य डाक्टरों परीक्षा की सुविधायें पाने का हक है।

- (i) सेवा निवृत्ति लाभ—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्ति किये गये भारतीय वन सेवा के अधिकारी, अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु-वनसेवा-निवृत्ति लाभ) नियमावली, 1958 द्वारा शासित होते हैं।

परिशिष्ट-4

उम्मीदवारों को शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

(नियम 17 के अनुसार)

(ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि यह अनुमान लगा सकें कि ये अभीष्ट शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर) के लिए भी सामान्य निर्देश हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरी नहीं करता उसे स्वास्थ्य परीक्षक स्वस्थ घोषित नहीं कर सकते। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित आवश्यकताओं के अनुसार स्वस्थ न माने हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह, लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार से यह सिफारिश कर सकें कि उक्त उम्मीदवार को सरकारी सेवा में लिया जा सकता है और इसमें सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु यह बात भी भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के योग्य ठहराये जाने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद वक्षता पूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. चलने की जांच-उम्मीदवारों का 4 घंटे में पूर्ण होने वाली 25 किलोमीटर चलने की जांच में सफलता प्राप्त करनी होगी। वन महानिरीक्षक, भारत सरकार द्वारा यह जांच करने की व्यवस्था इस प्रकार से की जायेगी कि वह स्वास्थ्य-परीक्षा बोर्ड की बैठक के साथ साथ हो।

3. (क) भारतीय (एंग्लो-इंडियन समेत) जाति के उम्मीदवारों को आयु कद और छाती के घेर परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर ही बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग-दर्शन रूप में जो भी परस्पर संबंध आंकड़े सबसे अधिक उपर्युक्त समझें, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेर में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एकसरे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को योग्य अथवा अयोग्य करेगा।

(ख) कद और छाती के घेर का कम से कम मान नीचे दिया जाता है जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को मंजूर नहीं किया जा सकता।

कद	छाती का घेर	फैलाव
	(पूरा फैला कर)	
से० मी०	से० मी०	से० मी०
163	84	5 (पुरुषों के लिए)
150	79	5 (महिलाओं के लिए)

गोखरा, गढ़वाली असमिया नागालैंड की आदिम जातियों आदि के उम्मीदवारों के लिये जिनका औसत कद विशेष रूप से कम है, कम से कम निर्धारित कद में छूट दी जाती है।

4. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में नापा जाएगा। वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाय एड़ियों के पावों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़ें सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां पिंडलियां। निस्तम्ब और कंधे माप-दण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जायगी ताकि सिर का स्तर (कर्टेक्स ऑफ दी हैड लेवल) हार्जिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जायगा।

5. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भांति सीधा खड़ा किया जायगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजायें सिर से ऊपर ऊठी हों। फीते की छाती के गिर्द इस तरह लगाया जायगा कि पीछे और इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (इन्फेरियर-एंगल्स) से लगा रहे और यह फीते की छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हार्जिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जायगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जायगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किये जायें जिससे कि फीता न हिले? जब उम्मीदवार को कई बार गहरा मांस लेने के लिये कहा जायगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89-93 आदि। नाम को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर के कम से भिन्न फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिये।

नोट :— अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापने चाहिये।

6. उम्मीदवार का वजन भी किया जायगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जायगा, आधे किलोग्राम से कम के फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिये।

7. उम्मीदवार को नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जायगा।

(i) सामान्य (जनरल)—किसी रोग या क्लिष्टता (ऐबनमिलिटि) का पता लगाने के लिये उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जायगी। यदि उम्मीदवार को मेगापन या आंखों पलाकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कॉन्जुंक्शंस स्ट्रक्चर्स) का विकास होगा जिसे भविष्य में किसी भी समय सेवा के लिये उसके अयोग्य होने की संभावना हो तो उम्मीदवार को अस्वीकृत कर दिया जायगा।

(ii) दृष्टि की परीक्षा (विजुअल एक्विटी)—दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिये दो जांचें की जायगी। एक दूर की नजर के लिये और दूसरी नजदीकी की नजर के लिये प्रत्येक आंख की अलग से परीक्षा की जायगी।

जबमें के बिना नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होती, किंतु प्रत्येक केस में मेडिकल

बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इमे रिकार्ड किया जायगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जायगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा।

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
(ठीक की हुई आंख)		(ठीक की हुई आंख)	
6/6	6/12	जे० I	जे० II
या			
6/9	6/9		

नोट :—

(i) फूँडस परीक्षा :—मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में जांच करानी चाहिये और उसके नतीजों को रिकार्ड किया जाना चाहिये। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने और उससे उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर असर पड़ने की संभावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिये।

मायोपिया का कुल परिमाण (सिलेंडर सहित) :—4.00 डी से नहीं बढ़ेगा। हाई परमेट्रोफिया (सिलेंडर सहित) 4.00 डी से नहीं बढ़ेगा।

(2) क्लर विजन—(1) रंगों के संबंध में नजर की जांच जारी।

(ii) नीचे दी हुई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिये जो लैटर्न के धारक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हो।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1.3 मीटर
3. दिखाने का समय	5 सैकेंड।

(iii) लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद संकेत रंग को आमानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक क्लर विजन है। इणिहारा को प्लेटों के इस्तेमाल की जिन्हें एड्रिज ग्रीन की लैटर्न जैसी उपयुक्त लैटर्न और उसके रोशनी में दिखाया जाता है, क्लर विजन की जांच करने के लिये बिल्कुल विश्वासनीय समझा जायगा। वैसे तो दोनों जांचों में से किसी भी एक जांच को साधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क रेल और हवाई यातायात से संबंधित सेवाओं के लिये लैटर्न से जांच करना लाजमी है।

शक वाले मामलों में जब उम्मीदवार की किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाय तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिये।

(3) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन) :—सभी सेवाओं के लिये सम्मुखन विधि (कन्फंटेन मॅथड) द्वारा पृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परमापी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिये।

(4) रतौंधी नाइट क्लाइन्डनेस :—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतौंधी की जांच नेमी रूप में जरूरी नहीं है। रतौंधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिये कोई नियत स्टैंडर्ड टेस्ट नहीं है। मेडिकल बोर्ड की ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिये जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में ले जाकर 20 से 30 मिनट के बाद उनसे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि पकड़ रिकार्ड करता। उम्मीदवारों के अपने कथनों पर कमी भी विश्वास नहीं करना चाहिये किंतु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिये।

(5) दृष्टि की पकड़ से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आक्युलर कंडीशन्स)।

(क) आंख की इस बीमारी को या बढ़ती हुई वर्तन—वृष्टि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव ऐरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की पकड़ के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिये।

(ख) रोहे (ट्रैकोमा)—यदि रोहे जटिल न हो तो ये आमतौर से अयोग्यता का कारण नहीं होंगे।

(ग) भेंगापन (स्क्विट) द्विदृष्टि (वाइनाकुलर) दृष्टि का होना लाजमी है। नियम स्टैंडर्ड की दृष्टि की पकड़ होने पर भी भेंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिये।

(घ) एक आंख वाले व्यक्ति—नियुक्ति के लिये एक आंख वाले व्यक्तियों की सिफारिश नहीं की जाती।

8. रक्त-दाब (ब्लड प्रेशर)—

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नामेल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है।

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु जोड़ दी जाय। यह तरीका बिल्कुल संतोष जनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दीजिये—सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर से सिस्टोलिक प्रेशर की और 90 से ऊपर के डास्टोलिक प्रेशर को संदिग्धमान लेना चाहिये और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिये कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने को रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिये कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि

के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई वायिक (आर्गेनिक बीमारी) (एसी सभी केसों में हृदय की एकपरे और विद्युत हृत्लेखी) (इलेक्ट्रोकार्डिया माफिक) और रक्त यूरिया निष्क्रम (क्लियरेंस) की जांच भी नमी से की जाना चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

(ब्लड प्रेशर रक्त दाब लेने का तरीका)

नियमतः पारे वाले दाबमापों (मर्करी मेनोमीटर) किस्म का आला (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायान या खबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेष कर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ हारिजंटल स्थिति में रोगी के पाश्र्व पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकालकर बीच को रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के भाड़ पर प्रगंड धमनी (ब्रैकिअल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर बीच-बीच स्टेथोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रिकम ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वो सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाएं या डाकटालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्यों कि कपल के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये क्षेमकार होता है और इससे रीडिंग गलत होता है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं दाब गिरने पर वे गायब हो जाती हैं निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गेप" से रीडिंग में गलती हो सकती है।

9. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूल की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मैडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके दूसरे सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्योतक चिह्नों और लक्षणों का भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूलियरिया) के सिवाए, अपेक्षित मैडिकल फिटनेस से स्टेडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अपथ्यूमेहो (नान डायबेटिक) हो और बोर्ड केस को मैडिसिन के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों।

4-351GI/74

मैडिकल विशेषज्ञ स्टेडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत ओ भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मैडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मैडिकल बोर्ड को "फिट" या "अनफिट" को अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होता जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिये यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पुरो देखरेख में रखा जाए।

10. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई औरत उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसको अस्थाई रूप से जब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाय। किसी रजिस्टर्ड चिकित्साकर्ता के प्रयोग का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति के तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण पत्र के लिये, उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

11. निम्नलिखित अनिवार्य बातों का प्रेक्षण करना चाहिए:—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो इसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का दलाज शल्य-क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बड़ने वाली न हो। चिकित्सा-परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिये इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है:—

- (1) एक कान में प्रकट अथवा यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहरा-पूरा बहरापन, दूसरा कान पन 30 डेसीमेल तक हो सामान्य होता। तो गैर तकनीकी काम के लिये योग्य यदि 1000
- (2) दोनों कानों में बहरे पन का प्रत्यक्ष-बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग ऐड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। से 4000 तक की स्पीच फ्रिक्वेंसी में बहरापन 30 डेसीमेल तक हो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के
- (3) सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिकैटिक मेम्ब्रेन में छिद्र। काम के लिये योग्य। (i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिकैटिक मेम्ब्रेन में अयोग्य। कान को शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनता या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवार को

- अस्थायी रूप में अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिये गये नियम 4 (ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।
- (ii) दांतों कानों में माजि-नल या पेटिक छिद्र होने पर अयोग्य।
- (iii) दांतों कानों में मन्टल छिद्र होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (4) एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड के क्विटी मयनामन श्रवण वाले कान।
- (i) किसी एक कान से सामान्य रूप में सुनाई देता हो, दूसरे कान में मस्टायड के क्विटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों, प्रकार के कामों के लिये योग्य।
- (ii) दोनों ओर से मस्टायड के क्विटी तकनीकी काम के लिये अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवणयंत्र लगा कर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीबेल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिये योग्य।
- (5) बहने रहने वाला कान-आप-रेशन किया गया/बिना आप-रेशन वाला।
- तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिये अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (6) नासा-पट को हड्डी सम्बन्धी/विस्मृताओं (दोनों डिफा-मिटी) सहित अथवा उसमें रहित नाक को जीर्ण प्रदाहक/एलर्जिक दशा
- (i) प्रत्येक मामले की परि-स्थितियों के अनुसार निर्णय लिखा जाएगा।
- (ii) यदि लवणों सहित नासा पट अफसरण विद्यमान होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।
- टोमिन्स और/अथवा स्वरयंत्र (लेन्सिम) की जीर्ण प्रदाहक दशा
- (i) टोमिन्स और अथवा स्वरयंत्र की जीर्ण प्रदाहक दशा-योग्य
- (ii) यदि आवाज में अत्या-धिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (8) कान नाक गले (i) हल्क ट्यूमर-अस्थायी ई० एन० टी० के हल्के रूप में अयोग्य। अथवा अपने स्थान पर (ii) दुर्गम ट्यूमर-अयोग्य। दुर्गम ट्यूमर
- (9) आस्टोक्लिथमिम श्रवण-यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीबेल के अन्दर होने पर योग्य।
- (10) कान, नाक अथवा गले के (i) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य। (ii) भारी मात्रा में हकला-हट हो तो योग्य।
- (11) नेजल पोलो अस्थायी रूप में अयोग्य
- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर तकनीकी दांत लगे हैं या नहीं। अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रुफचर (हार्निया या फटन) है या नहीं।
- (छ) उसे हाईटोपील, बड़ी हुई बेरिकोमीन, बेरिकाजशिरा (वैन) या बवासीर है या नहीं ?
- (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्म जात कुरंचना या दोष है या नहीं ?
- (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टीके निशान है या नहीं।
- (ड) उसे कोई संचारी (कम्प्यूतिकेवल) रोग है या नहीं।
12. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिये जो साधारण शारीरिक परीक्षा में ज्ञान न हो, सभी मामलों में नेमी रूप में छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।
- जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मैडिकल परीक्षकों को अपना राय लिख देना चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्व इयूटी में इसमें बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।
- नोट:—जब उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त संशोधनों के लिये उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिये नियुक्त स्पेशल या स्टैंडिंग मैडिकल बोर्ड के खिलाफ

उन्हें अपील करने के लिये कोई हक नहीं है, किन्तु यदि सरकार प्रथम बोर्ड की गलती में निर्णय को गलती की संभावना के संबंध में, प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तगव्वी हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक अपील की इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख के एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए बरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण-पत्र पेश करें तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जब कि इस से संबंधित मेडिकल प्रेक्टीशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस लक्ष्य को पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिये मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका हो।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षा के मार्ग दर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है।

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड से संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल (यदि हो) के लिये उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपार्टिंग अथॉरिटी) को, यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (वाइली इनफॉर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामलों में अकाल मृत्यु होने पर समय-पूर्व पेंशन या अदायगी को रोकना है। साथ ही यह भी नोट किया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवाओं की संभावना का है और उम्मीदवार की अस्वीकृत करने को सलाह इस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जब कि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उन का विस्तृत व्यापार नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहाँ मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (ओपेराशन्स) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ मेडिकल बोर्ड द्वारा हम आश का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा हमारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थिति होने के लिये कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है। यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा की तो ऐसे उम्मीदवारों की ओर आगे की अवधि के लिये अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिये उनका योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य है ऐसा निर्णय अंतिम रूप में दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपने मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसके साथ लगी हुए घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर कराने चाहिए। नीचे दिए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार को विषय रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें :—.....
(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और अन्य स्थान बतायें

2. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड आदिम जाति आदि में से किसी जाति से सम्बन्धित हैं, जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है? हां या नहीं में उत्तर दीजिये, उत्तर "हां" में हो उस जाति का नाम बताइए।

3. (क) क्या आपको कभी चेचक, स्कन्क कर होने वाला या कोई दूसरी बुखार, ग्रंथियां (गलेडूस्) को बढ़ाना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के बारे में, स्मेटिज्म, ऐपेंडिसाइटिस हुआ है?

अथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शरीर पर लटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है।

4. आपको चेचक आदि का अंतिम टीका कब लगा था।

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है।

6. अपने परिवार से सम्बन्ध में निम्नलिखित व्योरा दें—

यदि पिता जीवित मृत्यु के समय आपके कितने आपके कितने
हो तो उनकी पिता की आयु भाई जीवित भाइयों की
आयु और स्वास्थ्य और मृत्यु का हैं, उनकी आयु मृत्यु हो
की अवस्था । का कारण । और स्वास्थ्य चुकी है, मृत्यु
की अवस्था । के समय उनकी
आयु और मृत्यु
कारण

यदि माता जीवित मृत्यु के समय आपकी कितनी आपकी कितनी
हो तो उसकी आयु माता की बहनें जीवित बहनों की
आयु और स्वास्थ्य की आयु और हैं उनकी आयु मृत्यु हो चुकी है,
अवस्था मृत्यु का और स्वास्थ्य मृत्यु के समय
कारण की अवस्था उनकी आयु
और मृत्यु का
कारण

7. क्या इसके पहले किसी मैडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर हां में हो तो बताइए किस मेबा/सेवाओं के लिये आपकी परीक्षा की गई थी ?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था

10. कब और कहां मैडिकल बोर्ड हुआ ?

11. मैडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं ।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किये ।

नोट:—उपर्युक्त कथन का यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा बूझ कर किसी सूचना को छुपाने से यह नियुक्ति खो बैठने को जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्ति हो भी जाए तो बाद में निवृत्ति भत्ता (सुपर एनुएश) ग्राउंड्स) या उपदान (प्रेचुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा ।

(ख)को शारीरिक परीक्षा की मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट—

1. सामान्य टीका :—अच्छाबोच का
.....कम पोषण पतला
.....श्रीसतमोटा
.....कद (जूने उतार कर)

वजनअत्युत्तम नजब

कब थावजन में कोई हाल
की ही में हुआ परिवर्तनतापमान
.....छाती का घेर
.....

(1) पूरा सांस खींचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

2. त्वचा—कोई जाहिरा बीमारी

3. नेत्र—

(1) कोई बीमारी

(2) रंतींधी

(3) कलर विजन का दोष

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)

(5) दृष्टि की पकड़ (जिम्बुन ऐक्टीविटी)

(6) फंडस की जांच

दृष्टि की पकड़ चश्मे के बिना चश्मे से चश्मे की पावर गोल
सिल

दूर की नजर दा० ने०

बा० ने०

पास की नजर दा० ने०

बा० ने०

हाइपरमेट्रोपिया दा० ने०

(व्यक्त) बा० ने०

4. कान निरीक्षणसुनना

दायां कानबायां कान

5. ग्रंथियांगह्राइड

6. दोनों की हालत

7. श्वसन तंत्र (रसिपरेटर सिस्टम) क्या शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के अंगों में किसी विलक्षणता का पता है यदि पता लगा है तो विलक्षणता का पूरा व्योरा दें ।

8. परिसंचरण तंत्र (स्वयुलरटी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक गति (आर्गेनिक लोजन)—
गति (रेट) 25 कुदाए जाने के बाद ।

कुदाए जाने के 2 मिनट बाद

(ख) ब्लड प्रेशरसिस्टोलिक

.....डायस्टोलिक

9. उदर (पेट) : पैर—

प्रसव वेदना (टेंडरनेस) हार्निया

(क) दबा कर मालूम पड़ना जिगर

तिल्लीगुर्देट्यूमर

.....

(ख) बवासीर के मस्से पिस्तुला

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वेस सिस्टम) तंत्र का या मानसिक आशक्तता का संकेत

11. चाल तंत्र (लोकोमीटर सिस्टम) की विलक्षणता

12. जनन-मूल तंत्र (लेनिये यूरिनरी सिस्टम)/डाइडोमील बेरिकासोल आदि का कोई संकेत

मूल परीक्षा :—

(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?

(ख) स्पेसिफिक ग्रेविटी (अपेक्षक गुरुत्व)

(ग) (एल्युमेन) ।

(घ) शक्कर ।

(ङ) कास्ट

(च) कैशिकाएं (सेल्स)

13. छाती का ऐक्स-रे परीक्षा का रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह भारतीय वन सेवा की ड्यूटी की दक्षता पूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता हो ।

नोट:—यदि उम्मीदवार कोई महिला है और यदि वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो, उसे विनियम 10 के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा ।

15. क्या वह भारतीय वन सेवा में दक्षतापूर्वक और निराला ड्यूटी निभाने के लिये सभी तरह से योग्य पाया गया है ?

नोट:—बोर्ड को अपना जां-परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए

(i) योग्य (फिट)

(ii) अयोग्य (अनफिट), जिसका कारण

स्थान

तारीख

अध्यक्ष (चेयरमैन)

सदस्य

सदस्य

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 नवम्बर 1974

आदेश

सं० 7/10/74-सी० एल०-2 —कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उप-धारा (4) के खण्ड (ख) के उप-खण्ड (2) के अनुसूचन में, कम्पनी विधि बोर्ड एतद् द्वारा भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग के निम्नलिखित

अधिकारियों को कथित धारा 209 के उद्देश्य के लिए प्राधिकृत करता है :—

1. श्री अजीत कुमार दोषी, उप-निदेशक, निरीक्षण मंत्रालय ।

2. श्री कुमारजीब मिश्रा, उप-निदेशक, निरीक्षण, कलकत्ता ।

टी० एम० श्रीनिवासन,

संयुक्त निदेशक, निरीक्षण एवं पदेन

उप-सचिव, कम्पनी विधि बोर्ड ।

उद्योग तथा नागरिक संभरण मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्तूबर 1974

सं० 44(29)/72-एस० डी० एण्ड पी० —राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् जो संस्था पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21 वां अधिनियम) के द्वारा संस्था के रूप में पंजीकृत है, के नियमों के नियम 3 के अंतर्गत भारत सरकार में निहित शक्तियों के आधार पर, भारत सरकार उक्त नियम के खण्ड (क) के अंतर्गत श्री के० टी० चाण्डी, चेयरमैन, केंद्र स्टेट इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, बिबेन्द्रम को 1 नवम्बर, 1974 से और दो वर्ष की अवधि के लिए राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् की शासी निकाय का चेयरमैन नामित करती है ।

के० के० साधुर,

निदेशक

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1974

संकल्प

सं० 11015/1/73-सी० डी० एन० :—इस मंत्रालय के समसंख्यक संकल्प दिनांक 2 अप्रैल, और 25 सितम्बर, 1974 द्वारा यथासंशोधित इस मंत्रालय के समसंख्यक संकल्प दिनांक 12 दिसम्बर, 1973 का आशिक संशोधन करते हुए, जिसके अन्तर्गत सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के सम्बन्ध में इस मंत्रालय को सहाय देते हेतु एक हिन्दी सलाहकार समिति स्थापित की गई थी, उक्त समिति के राज्य सभा सदस्यों की संरचना में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित निर्णय किया जाता है :—

संकल्प के पैराग्राफ 1 में "संरचना, राज्य सभा के दो संसद सदस्य" के अन्तर्गत श्री बिंदेश्वरी प्रसाद सिंह और श्री मान सिंह वर्मा के स्थान पर श्री जगदीश जोशी और श्री प्रकाशवीर शास्त्री के नाम रखे जाएं ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों संघ-शासित प्रशासनों, प्रधान मंत्री सचिवालय, भक्ति-मंडल सचिवालय, संसद् कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, नियंत्रक व

महालेखा परीक्षक, मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों व विभागों को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसारण की सूचना के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

एस० के० चतुर्वेदी,
निदेशक (भाषा)।

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1974

सं० एम० टी० सी० (16)/74-एम० टी०—भारत सरकार के भूतपूर्व परिवहन और संचार मंत्रालय (परिवहन विभाग) के संकल्प सं० 24-एम० टी० (6)/52 दिनांक 17 अगस्त, 1959, जिसमें समय-समय पर संशोधन हुआ है, के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार 28 जून, 1972 से वर्ष की अवधि के लिए, व्यापारी बेड़ा प्रशिक्षण बोर्ड का पुनर्गठन किया था। 27 जून, 1974 को उक्त बोर्ड की कार्याविधि की समाप्ति पर, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दो वर्ष की अवधि के लिए एक व्यापारी बेड़ा प्रशिक्षण बोर्ड की स्थापना करती है, जिस में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे और इस संकल्प के प्रकाशन की तारीख से श्री एम० आर० व्यास, सदस्य, राज्य सभा को उक्त बोर्ड का अध्यक्ष नामांकित करती है:—

1. श्री एम० आर० व्यास सदस्य अध्यक्ष
राज्य सभा, नई दिल्ली
2. महा निदेशक नौवहन . उप-अध्यक्षक पदेन
3. श्री के० नारायणा राव, संमद प्रतिनिधि
सदस्य लोक सभा।
4. उप सचिव, नौवहन और परिवहन सदस्य पदेन
मंत्रालय, नई दिल्ली,
जो व्यापारी बेड़ा प्रशिक्षण
संस्थानों के कार्य से संबंध है।
5. उप-सचिव, वित्त मंत्रालय (व्यय सदस्य पदेन
विभाग) जोकि नौवहन और
परिवहन मंत्रालय से संबंध है।
6. भारत सरकार के मुख्य सर्वेक्षक, —यथोक्त—
बम्बई।
7. भारत सरकार के नौ सलाहकार, —यथोक्त—
बम्बई।
8. प्रिंसिपल, लाल बहादुर शास्त्री, —यथोक्त—
नौ तथा इंजीनियरी कालेज,
बम्बई।
9. कैप्टेन अधीक्षक, प्रशिक्षण, —यथोक्त—
जहाज, बम्बई।
10. निदेशक, समुद्री इंजीनियरी प्रशिक्षण, —यथोक्त—
कलकत्ता।
11. कैप्टेन अधीक्षक, रेटिंग प्रशिक्षण, —यथोक्त—
स्थापना, मेखाला, विशाखापत्तनम।

12. उप शिक्षा सलाहकार (तकनीकी) शिक्षा मंत्रालय का
पश्चिम क्षेत्रीय कार्यालय इंडस्ट्री- प्रतिनिधि।
यल असोरेन्स विलिंग, दूसरी
मंजिल, वीर नारीमन रोड,
चर्चगेट के सामने, स्टेशन
बम्बई-400020।
13. कैप्टेन एस० जैन, निदेशक, उप- रक्षा मंत्रालय का
समुद्री पक्ष, नौ मुख्यालय, नई प्रतिनिधि (नौ
दिल्ली। मुख्यालय)।
14. डा० डी० पी० अंतिया, इंडस्ट्रियल ग्रिडिल भारतीय
एण्ड मैनेजमेंट कान्सलटेन्ट्स, तकनीकी शिक्षा
10, जज कोर्ट रोड, प्लॉट 7, परिषद् का प्रति-
कलकत्ता-700027। निधि।
15. जज कप्तान एम० एम० कारनिक, पत्तन न्यासों के प्रति-
डोक मास्टर, बम्बई पत्तन न्यास, निधि।
बम्बई।
16. कप्तान आर० डी० कोहली, शिपिंग कारपोरेशन
मुख्य तकनीकी प्रबंधक, शिपिंग आफ इंडिया के
कारपोरेशन आफ इंडिया, बम्बई। प्रतिनिधि।
17. श्री एन० एच० घुनजीभाई, मैसर्स इंडियन नेशनल शिप-
साउथ ईस्ट एशिया शिपिंग, आर्नर्स एसोसिएशन,
कंपनी, हिमालय हाउस, डी० के प्रतिनिधि।
एन० रोड, बम्बई-400001।
18. कप्तान एच० के० डी० पाटिल, —यथोक्त—
उप समुद्री अधीक्षक, सिधिया
स्टीम नेविगेशन कम्पनी सिधिया
हाउस, बम्बई-400001।
19. श्री एन० पी० ईलियट/कप्तान कलकत्ता लाइनर्स
बी० एस० पावरी, कलकत्ता में कन्फेस (क्रियू)
बोर्ड की बैठक होने की दशा में एण्ड ओनर्स एजेन्ट्स
एवजी सदस्य। (समिति (क्रियू) बम्बई
के प्रतिनिधि।
20. श्री ए० माधवन, मैसर्स पप्पा फेडरेशन आफ
मीनाक्षी कं० एम०जी० रोड, इंडियन चेम्बर आफ
कोचीन-11। कोमर्स एण्ड इंडस्ट्री
नई दिल्ली के
प्रतिनिधि।
21. श्री जे० डी० रन्धेरी मेरीटाइम यूनियन
आफ इंडिया,
बम्बई का प्रति-
निधि।
22. श्री लियू वारनिस नेशनल यूनियन
आफ सी० फेयरर्स
आफ इंडिया,
बम्बई का प्रति-
निधि।

23. श्री विजय मुखर्जी,

नेशनल यूनिनयन आफ
सीमेन आफ इंडिया,
कलकत्ता का प्रति-
निधि।

24. नौवहन के उप महानिदेशक, — सदस्य-सचिव
बम्बई, जो व्यापार पोत प्रशिक्षण
संस्थान से संबंधित है।

25. रिक्त

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति राष्ट्रपति के निजी तथा सेना सचिवों, प्रधान मंत्री के सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों, पत्तन न्यासों तथा महानिदेशक, नौवहन बम्बई को भेज दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प सर्वसाधारण की सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

डी० डी० जोशी, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1974

शुद्धि-पत्र

सं० 7-एम० डब्ल्यू० सी० (1)/73-एम० ए०—भारत के राजपत्र के भाग 1 खंड 1 में प्रकाशित नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) के संकल्प सं० 7-एम० डब्ल्यू० टी० (1)/73-एम० ए०, दिनांक 4 मई, 1973 की क्रम संख्या 16 में निम्नलिखित परिवर्तन किया जाए :—

श्री एस० एम० यय्या, सदस्य विधान सभा, दिलशाद मंजिल, नवाया कालोनी, डाकघर भटवल उत्तरी कनाड़ा के स्थान पर "श्री यू० टी० फरीद, सदस्य विधान सभा, मंगलौर-2" रखा जाए ;

दीवानचंद अहीर, अध्यक्ष सचिव

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)
RULES

New Delhi, the 7th December 1974

No. 10/22/74-CS-II.—The rules for a departmental competitive examination to be held by the Institute of Secretariat Training & Management, Cabinet Secretariat (Department of Personnel & Administrative Reforms) New Delhi, in April 1975, for the purpose of filling temporary vacancies in Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service, Grade III of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service, and Grade III of Stenographers' Sub-cadre of Indian Foreign Service (B) are published for general information.

2. The number of vacancies in various Service, to be filled on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Institute of Secretariat Training & Management. Reservations will be made for candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956, read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, and the Punjab Reorganisation Act, 1966, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1956, the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order 1956 the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order 1970.

3. The examination will be conducted by the Institute of Secretariat Training & Management, in the manner prescribed in the Appendix to these Rules.

The date on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Institute of Secretariat Training & Management.

4. Any permanent or temporary regularly appointed officer who satisfies the following conditions shall be eligible to appear at the examination and compete for vacancies in Grade III of the Stenographers' Service corresponding to their Clerical Service only i.e. LDCs/UDCs of C.S.C.S. will be eligible for competing for vacancies in Grade III of the CSSS only; L.D.Cs/U.D.Cs of A.F.H.Q. Clerical Service will

be eligible for competing for vacancies in Grade III of A.F.H.Q. Stenographers' Service only and officers of Grade VI or Grade V of I.F.S. (B) will be eligible for competing for vacancies in Grade III of the Stenographers' sub-cadre of I. F. S. (B) only.

(1) Length of Service :—He should have, on the 1st January, 1975, rendered not less than three years approved and continuous service in any one of the following three categories :—

Category I :—The Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service or any other grade under the Central Government or the State Government the minimum and maximum of the scale of pay of which was not less than Rs. 55/- and Rs. 130/- respectively, prior to 1st July, 1959, was not less than Rs. 110/- and Rs. 180/- respectively on or after the 1st July, 1959, but prior to 1st January 1973 and is not less than Rs. 260/- and Rs. 400/- respectively, on or after 1st January, 1973.

NOTE 1. The limit of three years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable service of a candidate is partly in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service and partly elsewhere as mentioned above.

NOTE 2. Officers of the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to an officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer if he continues to have a lien in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service for the time being.

NOTE 3. Regularly appointed officer to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade means an officer allotted to any of the cadres of the Central Secretariat Clerical Service at the commencement of the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 or appointed thereafter on a long term basis to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Service as the case may be, according to the prescribed procedure.

Category II : Lower Division Grade and/or Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service or any other grade under the Central Government or the State Government the minimum and maximum of the scale of pay of which was not less than Rs. 55/- and Rs. 130/- respectively, prior to 1st July, 1959 and is not less than Rs. 110/- and Rs. 180/- respectively on or after the 1st July, 1959, but prior to 1st January 1973 and is not less than

Rs. 260/- and Rs. 400/- respectively, on or after 1st January 1973.

Note 1 :—The limit of three years of approved and continuous service shall also apply if the total reckonable service of a candidate is partly in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service and partly in an equivalent grade.

Note 2 :—Officers of the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to an officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer if such officer continues to have a lien in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service for the time being.

Category III : Grade VI and/or Grade V of the Indian Foreign Service, Branch (B).

NOTE 1 :—Officers of Grade VI or Grade V of the Indian Foreign Service Branch (B) who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to an officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer if he continues to have a lien in Grade VI or Grade V of the Indian Foreign Service Branch (B) for the time being on the crucial date.

(2) Age :—He should not be more than 45 years of age on the 1st January, 1975 i.e. he must not have been born earlier than 2nd January, 1930.

5. The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 (but before 25th March, 1971);
- (iv) up to a maximum of five years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (ix) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin

from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

- (xi) up to a maximum of three years in the case of Defence Service personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xiii) up to maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof; and
- (xiv) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

6. The decision of the Institute as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

7. No candidate will be admitted to the examination unless he holds certificate of admission from the Institute.

8. Candidates must pay the fee prescribed in paragraph 5 of the Notice of the Institute.

9. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission to the examination.

10. A candidate who is or has been declared by the Institute to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :

- (a) to be disqualified by the Institute from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Institute, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

11. After the examination the candidates will be arranged by the Institute in three separate lists in the order of merit, as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each

candidate, and in that order so many candidates as are found by the Institute to be qualified by the examinations shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination in the Central Secretariat Stenographers' Service—Grade III, Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade III, and Stenographers' sub-cadre of the Indian Foreign Service (B)—Grade III.

Provided that the candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute of Secretariat Training and Management by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

NOTE.—Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be appointed to Grade III of the Services on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore, have any claim for appointment as a Stenographer Grade III on the basis of his performance in this examination, as a matter of right.

12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Institute in their discretion and the Institute will not enter into correspondence with them regarding the result.

13. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respect for appointment to Grade III of the Service.

A candidate who, after applying for admission to the examination or after appearing at it resigns his appointment or otherwise quits the Service or severs his connection with it or whose services are terminated by his department or who is appointed to an ex-cadre post or to another service on 'transfer' and does not have a lien on Central Secretariat Clerical Service or Armed Forces Headquarters' Clerical Service or Indian Foreign Service (B), General Cadre, will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a candidate who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

K. B. NAIR,
Under Secy.

APPENDIX

Candidates will be given two dictation tests in English or in Hindi one at 100 words per minute for seven minutes and another at 80 words per minute for 10 minutes. The candidates who opt to take the test in English will be required to transcribe the matter in 50 and 65 minutes and the candidates who opt to take the test in Hindi will be required to transcribe the matter in 60 and 75 minutes respectively. The shorthand tests will carry a maximum of 300 marks.

NOTE 1.—Candidates who opt to take the shorthand tests in Hindi will be required to learn English Stenography, and vice versa, after their appointment.

NOTE 2.—A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad and exercising the option to take the Stenography Tests in Hindi, may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. Candidates who satisfy the minimum qualifying standard as may be fixed by the Institute in their discretion, in the dictation at 100 words per minute will rank above the candidates who obtain the same standard in dictation at 80 words per minute, persons in each group being arranged *inter se* in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate.

3. Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters, and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

RULES

New Delhi, the 7th December 1974

No. 35/8/74-AIS(III).—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1975 for the purpose of filling vacancies in the Indian Forest Service are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Part C States) Order, 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, and the Constitution (Scheduled Tribes) (Part C States) Order, 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964 the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968 the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix II to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either—

- a citizen of India, or
- a subject of Sikkim or
- a subject of Nepal, or
- a subject of Bhutan, or
- a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and the East African Countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. (a) A candidate must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 26 years on 1st July, 1975 i.e., he must have been born not earlier than 2nd July, 1949 and not later than 1st July, 1955.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January 1964 but before 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (ix) up to maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes;
- (xiii) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xiv) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate must hold a Bachelor's degree with at least one of the subjects, namely Botany, Chemistry, Geology, Mathematics, Physics and Zoology or a Bachelor's degree in Agriculture or in Engineering or any of the Universities enumerated in Appendix I or must possess any of the qualifications mentioned in Appendix I or must possess any of the qualifications mentioned in Appendix I-A subject to the condition stipulated therein.

NOTE I.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE II.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university which is not included in Appendix I, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

8. A candidate already in Government Service, whether in a permanent or in a temporary capacity or as a work-charged employee other than a casual or daily-rated employee, must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

13. A candidate who, on the results of the written part of the examination qualifies for the Personality Test will be separately asked to communicate to the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) the order of preferences in which he would like to be considered for allotment to various States.

14. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respect for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for the Personality Test by the Commission may be required to undergo medical examination. No fee shall be payable to the Medical Board by the candidate for medical examination.

Note.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the Standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix IV to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel and Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with requirements of the Service.

Attention is particularly invited to the condition of medical fitness involving a walking test of 25 Kilometres in 4 hours.

18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing; exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to take after entry into service.

20. Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

R. L. AGGARWAL, Under Secy.

APPENDIX-I

List of Universities approved by the Government of India
(vide Rule 6)

INDIAN UNIVERSITIES

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India and other educational institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.

UNIVERSITIES IN BURMA

The University of Rangoon.

The University of Mandalay.

ENGLISH AND WELSH UNIVERSITIES

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales.

SCOTTISH UNIVERSITIES

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

IRISH UNIVERSITIES

The University of Dublin (Trinity College).

The National University of Ireland.

The Queen's University, Belfast.

UNIVERSITIES IN PAKISTAN

The University of Punjab.

The University of Sind.

UNIVERSITIES IN BANGLADESH

The Dacca University.

The Rajshahi University.

UNIVERSITY IN NEPAL

The Tribhuvan University, Kathmandu.

APPENDIX I-A

List of qualifications recognised for admission to the examination (vide Rule 6)

- *1. French examination "Propedeutique."
- *2. Diploma in Rural Services of the National Council of Rural Higher Education.
- *3. Diploma in Rural Services of the Visva Bharati University.
- *4. Higher Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, provided that the Course has been successfully completed as a "full student."
- *5. Associateship or Fellowship of the Indian Institute of Science, Bangalore.
- *6. Bachelor of Arts (B.A.) and the Bachelor of Science (B.Sc.) degrees awarded by the American University of Beirut, Beirut, Lebanon.
- *7. National Diploma in Engineering or Technology of the All India Council for Technical Education recognised by the Government for recruitment to superior Services and posts under the Central Government.
- *8. Sections A and B of the Institution Examination of the Institution of Engineers (India).
9. Hons. Diploma in Civil or Mechanical Engineering of the Loughborough College, Leicestershire, provided that a candidate has passed the common preliminary examination or has been exempted therefrom.

*NOTE.—Qualifications 1 to 6 will not be acceptable unless the candidate has passed the examination with at least one of the subjects, namely, Botany, Chemistry, Geology, Mathematics, Physics and Zoology.

APPENDIX II

SECTION I

Plan of the Examination

The competitive examination for the Indian Forest Service comprises :—

(A) Written examination in—

- (i) two compulsory subjects, viz., General English and General Knowledge [See Sub-Section (a) of Section II below]—Maximum marks : 300.
- (ii) a selection from the optional subjects set up in Sub-Section (b) of Section II below, subject to the provisions of that Sub-Section candidates may take any two of those subjects—Maximum marks : 400.

(B) Interview for Personality Test (*vide* Part B of the Scheduled to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission—Maximum marks : 200.

SECTION II

Examination Subjects

(a) Compulsory subjects *vide* Sub-Section A(i) of Section I above :—

	Maximum marks
(1) General English	150
(2) General Knowledge	150

(b) Optional subjects *vide* Sub-Section A (ii) of Section I above :—

Subject	Code No.	Maximum marks
Agriculture	01	200
Botany	02	200
Chemistry	03	200
Civil Engineering	04	200
Geology	05	200
Agricultural Engineering	06	200
Chemical Engineering	07	200
Mathematics	09	200
Mechanical Engineering	10	200
Physics	11	200
Zoology	13	200

Provided that the following restrictions shall apply to the above subjects :

- (i) No candidate shall be allowed to take both the subjects with codes 01 and 06;
- (ii) No candidate shall be allowed to take both the subjects with codes 03 and 07.

NOTE.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

SECTION III

General

1. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

2. The duration of each of the papers referred to in Sub-Section (a) and (b) of Section II above will be 3 hours.

3. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

4. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

5. If a candidate's handwriting is not easily legible a deduction will be made on the account from the total marks otherwise accruing to him.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

8. Candidates are expected to be familiar with the metric system of weights and measures. In the question papers, wherever necessary, questions involving the use of metric system of weights and measures may be set.

SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General Knowledge will be such as may be expected of a Science/Engineering graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will approximately be that of the Bachelor's degree (Pass) of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) *General English*

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passages will usually be set for summary or precis.

(2) *General Knowledge*

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

(3) *Agriculture*

Candidates will be required to answer questions on (A) and (B) or (A) and (C).

(A) *Agricultural Economics*

Meaning and scope of agricultural economics, significance of study and its relationship with other sciences, importance of agriculture in Indian economy, contribution to national income, comparison with other countries, study of significant economic problems in Indian agricultural production, marketing, labour, credit etc.

Nature of study of farm management, its meaning and scope, relation to other physical and social sciences, concepts and basic principles in farm management. Types and systems of farming-determining factors. Planning for profitable use of land water, labour and equipment methods of measuring farm efficiency nature and purpose of farm book-keeping, farm records and accounts, financial accounting, enterprise accounting and complete cost accounting.

(B) *Agronomy*

Crop Production—Detailed study of KHARIF crops; Paddy, Maize, Jowar, Bajra, Groundnut, Til, Cotton, Sunhemp, Moong, Urd with reference to their introduction distribution seedbed preparations improved varieties Til, sowing and seed-rate interculture, harvesting and physical inputs of production of crops.

Detailed study of important RABI crops; Wheat, Barely, Gram, Mustard, Sugarcane, Tobacco, Berseem, with reference to their origin, history, distribution, soil and climate requirements seedbed preparation improved varieties, sowing and seed-rate interculture, harvesting, storing, physical inputs of crops.

Weeds and Weed Control.—Classification of weeds; habitat and characteristics of important weeds of India. Injurious effects and losses caused by weeds, chief agencies of weed dissemination, cultural, biological and chemical control of weeds.

Principle of Irrigation and Drainage.—Necessity and sources of irrigation water, water requirements of crops, common water lifts, duty of water, prevention of wastage of irrigation water, system and methods of irrigation, advantage and limitations of each method. Measurement of irrigation water. Soil moisture, different forms of soil moisture and their importance. Drainage and its necessity, harm caused by excessive water methods of drainage.

(C) Soil Science & Soil Conservation

Definition of soil, its main components, soil profile, soil mineral colloids, cation exchange capacity, base saturation percentage ion exchange, essential nutrients for plant growth, their forms in the soil and their role in plant nutrition. Soil organic matter its decomposition and its effect on soil fertility. Acid and alkali soils, their formation, and reclamation. Effect of organic manures, green manures and fertilizers on soil properties. Properties of common nitrogenous phosphatic and potassic fertilizers.

Mechanical composition and soil texture, soil pore space, soil structure soil water, types of soil water, its retention movement, availability and measurement of soil water. Soil temperature, soil aid and its importance. Soil structure its forms and their effect on the physio-chemical properties of soil.

Soil Morphology and Soil Surveying.—Earth's crust; soil forming rocks and minerals their composition and importance in soil formation. Weathering of rocks and minerals, factors and processes of soil formation: great soil groups of the world and their agricultural importance. Study of Indian soils. Soil survey and classification.

Principles of Soil Conservation.—Soil erosion, factors effecting erosion, soil conservation, soil properties in relation to agronomic and engineering practices land drainage needs and practices for agricultural lands, land use classification, Soil conservation, planing and programme.

(4) Botany

1. Survey of the Plant Kingdom.—Difference between animals and plants; Characteristics of living organism; Unicellular and multicellular organism; Viruses: basis of the division of the plant kingdom.

2. Morphology.—(i) Unicellular plants—cell, its structure and contents; division and multiplication of cells.

(ii) Multicellular plants—Differentiation of the body of non-vaccular plants and vascular plants; external and internal morphology of vascular plants.

3. Life history.—Of at least one member of the following categories of plants.—Bacteria, cyanophyceae Chlorophyceae Phaeophyceae, Rhodophyceae Phycomphycetes, Ascomycetes, Basidiomycetes, Liverworts, Mosses, Pteridophytes, Gymnosperms and angiosperms.

4. Taxonomy.—Principles of classification; principal systems of classification of angiosperms; distinctive features and economic importance of the following families:—Gramineae Scitamineae, Palmaceae, Liliaceae, Orchidaceae, Moraceae Loranthaceae, Magnoliaceae, Lauraceae Cruciferae, Rosaceae, Leguminosae Rutaceae, Meliaceae, Euphorbiaceae, Anacardiaceae, Malvaceae, Apocynaceae, Asclepiaceae, Dipsacaceae, Myrtaceae, Umbelliferales, Labiales, Solanaceae, Rubiaceae, Cucurbitaceae, Verbenaceae and Compositae.

5. Plant Physiology.—Autotrophy, heterotrophy. Intake of water and nutrients, transpiration, photosynthesis, mineral nutrition, respiration growth reproduction: Plant/animal relation, symbiosis, parasitism, enzymes, auxins hormones, photoperiodism.

6. Plant Pathology.—Cause and cure of plant diseases; Disease organisms, Viruses, deficiency disease; Disease resistance.

7. Plant Ecology.—The basic facts relating to ecology and plant geography, with special relation to Indian flora and the botanical regions of India.

8. General Biology.—Cytology. Genetics, plant breeding Mendelism, hybrid vigour. Mutation. Evolution.

9. Economic Botany.—Economic uses of plants, esp. flowering plants, in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products like foodgrains, pulses, fruits, sugar and starches, oilseeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber, drugs and essential oils.

10. History of Botany.—A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

(5) Chemistry

1. Inorganic Chemistry

Electronic configuration of elements. Aufbau Principle. Periodic classification of elements. Atomic number. Transition elements and their characteristics.

Atomic and ionic radii, ionization potential, electron affinity and electronegativity.

Natural and artificial radioactivity. Nuclear fission and fusion.

Electronic Theory of valency. Elementary ideas about sigma and pi-bonds, hybridization and directional nature of covalent bonds.

Warner's theory of coordination compounds. Electronic configurations of complexes involved in the common metallurgical and analytical operations.

Oxidation states and oxidation number. Common oxidising and reducing agents. Ionic equations.

Lewis and Bronsted theories of acids and bases.

Chemistry of the common elements and their compounds treated especially from the point of view of periodic classification. Principles of extraction, isolation (and metallurgy) of important elements.

Structures of hydrogen peroxide, Dimerene, aluminium chloride and the important oxyacids of nitrogen, phosphorus, chlorine and sulphur.

Inert gases: Isolation and chemistry.

Principles of inorganic chemical analysis.

Outlines of the manufacture of: Sodium carbonate, sodium hydroxide, ammonia, nitric acid, sulphuric acid, cement, glass and artificial fertilizers.

2. Organic Chemistry:

Modern concepts of covalent bonding. Electron displacements—inductive, mesomeric and hyperconjugative effects. Resonance and its application to organic Chemistry. Effect of structure on dissociation constants.

Alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum as a source of organic compounds. Simple derivative of aliphatic compounds. Alcohols, aldehydes, ketones acids, halides, esters, ethers, acid anhydrides, chlorides and amides. Monobasic hydroxy. Ketonic and amino acids. Organometallic compounds and acetoacetic esters. Tartaric, citric, maleic and fumaric acids. Carbohydrates, classification and general reactions. Glucose fructose and sucrose.

Stereochemistry: Optical and geometrical isomerism. Concept of conformation.

Benzene and its simple derivatives; Toluene xylenes phenols, halides, nitro and amino compounds. Benzoic aldehydes and ketones. Diazo azo and hydrazo compounds. Aromatic substitution. Naphthalene, pyridine and quinoline.

3. Physical Chemistry

Kinetic theory of gases and gas laws. Maxwell's law of distribution of velocities. Van der waal's equation. Law of corresponding states. Liquefaction of gases. Specific heats of Gases. Ratio of C_p/C_v .

Thermodynamics; The first law of the thermodynamics. Isothermal and adiabatic expansion. Enthalpy. Heat capacities. Thermochemistry—heats of reaction, formation solution and combustion. Calculation of bond energies. Kirchhoff equation.

Criteria for spontaneous change. Second Law of Thermodynamics. Entropy. Free energy. Criteria of Chemical equilibrium.

Solutions. Osmotic pressure, lowering of vapour pressures, depression of freezing point, elevation of boiling point. Determination of molecular weights in solution. Association and dissociation of solutes.

Chemical equilibria. Law of mass action and its application to homogeneous and heterogeneous equilibria, Le Chatelier principle. Influence of temperature on chemical equilibrium.

Electrochemistry; Faraday's laws of electrolysis; conductivity of an electrolyte; equivalent conductivity and its variation with dilution; solubility of sparingly soluble salts; electrolytic dissociation. Ostwald's dilution law; anomaly of strong electrolytes; solubility product strength of acids and bases; hydrolysis of salts; hydrogenion concentration; buffer action; theory of indicators.

Reversible cells. Standard, hydrogen and calomel electrodes. Electrode and red-ox-potentials. Concentration cells. Determination of pH. Transport number. Ionic product of water. Potentiometric titrations.

Chemical Kinetics; Molecularity and order of a reaction. First order and second order reactions. Determination of order of a reaction, temperature coefficients and energy of activation. Collision theory of reaction rates. Activated complex theory.

Phase rule; Explanation of the terms involved. Application to one and two component systems. Distribution law.

Colloids; General nature of Colloidal solutions and their classification; general methods of preparation and properties of colloids. Coagulation. Protective action and gold number. Adsorption.

Catalysis; Homogeneous and heterogeneous catalysis. Promoters. Poisoning.

Photochemistry: Laws of photochemistry. Simple numerical problems.

(6) Civil Engineering :

1. Building materials and Properties and Strength of materials—

Building materials—Timber, stone, brick, lime tile, sand, surkhi, mortar and concrete metal and glass—Structural properties of metals and alloys used in engineering practice.

Stresses and strains—Hook's law—Bending. Torsion and direct stresses. Elastic theory of bending of beams maximum and minimum stresses due to eccentric loading. Bending moment and Shear force diagrams and deflection of beams under static and live loads.

2. Building construction and water supply and sanitary engineering—

Construction—Brick and stone masonry; walls floors and roofs, staircases, carpentry in wooden floors, roofs, ceiling, doors and windows, finishes (plastering, pointing, painting and varnishing etc.)

Soil mechanics—Soils and their investigations. Bearing capacities and foundations of buildings and structures—principles of design.

Building estimates—Principles units of measurement; Taking out of quantities for buildings and preparation of abstract of costs—specifications and data sheets for important items.

Water supply—Sources of water, standards of purity, methods of purification, layout of distribution system, pump and boosters.

Sanitation—Sewers, storm water overflows, house drainage requirements and appurtenances, septic tanks, Imhoff tanks,

sewage treatment and dispersion trenches—Activated sludge process.

3. Roads and bridges—

Survey and alignment—Highway materials and their placements—Principles of design—width of foundation and pavement, camber, gradient, curves and super-elevation—Retaining walls.

Construction—Earth roads, stabilized and water bound macadam roads bituminous surfaces and concrete roads. Drainage of roads; Bridges—Types, economical spans, I.R.C. loadings, designing superstructure of small span bridges—Principles of designing foundation of abutments and piers of bridges pile and well foundations.

Estimating Earthwork for roads and canals.

4. Structural Engineering—

Steel structures—Permissible stresses; Design of beams, simple and built-up columns and simple roof trusses and girders—column base and grillage for axially and eccentrically loaded columns—Bolted; rivetted and welded connections.

R.C.C. structures—Specifications of materials used—proportioning workability and strength requirement—I.S.I. standards for design loads permissible stresses in R.C.C. members subject to direct and bending stresses—Design of simply supported overhanging and cantilever beams, rectangular and Tee beams in floors roofs and lintels—axially loaded columns; their bases.

(7) Geology

1. General Geology :

Origin, age and interior of the Earth different geological agencies and their effects on topography, weathering and erosion; Soil types their classification and soil groups of India; Physiographic sub-divisions of India. Vegetation and topography Volcanoes, earthquakes mountains diastrophism.

2. Structural Geology :

Common structures of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Dip, strike and slopes; folds faults and unconformities including their effects on outcrops. Elementary ideas of methods of Geological Surveying and Mapping.

3. Crystallography and Mineralogy :

Elementary knowledge of crystal symmetry. Laws of Crystallography. Crystal habits and twinning.

Study of important rock-forming including clay minerals with regard to their chemical composition, physical properties, optical properties, alteration, occurrence and commercial uses.

4. Economic Geology.

Study of important economic minerals of India including mode of occurrence. Origin and classification of ore deposits.

5. Petrology :

Elementary study of igneous, sedimentary and metamorphic rocks including origin and classification. Study of common rock types.

6. Stratigraphy :

Principles of stratigraphy; lithological and chronological sub-divisions of geological record. Outstanding features of Indian Stratigraphy.

7. Palaeontology :

The bearing of palaeontological data upon evolution. Fossils, their nature and mode of preservation. An elementary idea of the morphology and distribution of representative forms of animal and plant fossils.

(8) Agricultural Engineering

1. Soil and Water Conservation.—Definition and scope of soil conservation; Mechanics and types of erosion their causes. Hydrologic cycle rainfall and runoff—factors affect-

ing them and their measurements, stream gauging.—Evaluation of runoff from rainfall. Erosion control measures.—Biological and Engineering.

Basic open channel hydraulics. Design of soil conservation structures—terraces, bunds, outlets and grassed waterway. Principles of flood control. Flood routing. Design of farm ponds and earth dams. Stream bank erosion and its control. Wind erosion and its control. Principles of watershed management.

Investigation and planning in River Valley projects.

2. Irrigation and drainage—Soil-water-plant relationships. Sources and types of irrigation. Planning and design of minor irrigation projects. Techniques of measuring soil moisture.

Duty of water—Consumptive use. Water requirements of crops. Measurement and cost of irrigation water. Measuring devices—flow through orifices, wires and flumes. Levelling and layout of irrigation systems. Design and construction of canals, field channels, pipe lines, head-gates, diversion boxes, structures and road crossings. Occurrence of ground water. Hydraulics of wells. Types of wells, their construction, drilling methods. Well development. Testing of wells.

Drainage—Definition—causes of water logging. Methods of drainage. Drainage of irrigated lands. Design of surface and sub-surface systems.

3. Building materials—Kinds of building materials—their properties. Timber, brickwork and R. C. construction. Design of columns, beams, roof trusses, joints. Layout of a farmstead. Design of farm house animals shelters and storage structures. Rural water supply and sanitation.

4. Farm power and machinery—Construction of different types of internal combustion engines. Ignition, fuel lubricating cooling and governing systems of I.C. engines. Different types of tractors Chassis transmission and steering. Farm machinery for primary and secondary tillage, seeding machinery, interculture tools and machinery. Plant protection equipment. Harvesting and threshing equipment. Machinery for land development. Pumps and pumping machinery.

5. Electricity and rural electrification.—Power generation and transmission; Distribution of electricity for rural electrification; A. C. and D. C. circuits.

Uses of electric energy on the farm. Electric motors used in agriculture—types, selection, installation and maintenance.

(9) Chemical Engineering :

1. Transport phenomena : (Under steady state conditions).

(a) Momentum transfer ; (i) Different patterns of flow and their criteria.

(ii) Velocity profile.

(iii) Filtration Sedimentation; centrifuge.

(iv) Flow of solids through fluids. *

(b) Heat transfer : Different modes of heat transfer; Conduction—calculation for single and composite walls of flat, cylindrical and spherical shapes.

Convection—different dimensionless groups used in forced and free convection. Equivalent diameter. Determination of individual and overall heat transfer coeff.

Evaporation—Radiation—Stefan-Boltzman law.

Emissivity and absorptivity. Geometrical Shape factor.

Heat load of furnaces—calculation.

(c) Mass transfer : Diffusion in gases and liquids. Absorption, desorption humidification, dehumidification, drying and distillation. Analogy between momentum, heat and mass and transfer.

2. Thermodynamics :

(a) 1st, 2nd and 3rd Laws of thermodynamics.

(b) Determination of internal energy, entropy, enthalpy and free energy—Determination of chemical equilibrium constants for homogeneous and heterogeneous systems. Use of thermodynamics in combustion, distillation and heat transfer. Mechanism and theory

of mixing. various mixers for liquid—liquid, solid, liquid and solid-solid.

3. Reaction engineering :

(i) Kinetics : Homogeneous and heterogeneous reactions 1st and 2nd order reactions. Batch and flows—Reactors and their design.

(ii) Catalysis—Choice of catalyst; Preparations :

Mechanics of catalysis based upon mechanism.

4. Transportation.—Storage and transport of materials and in particular, powders, resins, volatile and non-volatile liquids emulsions and dispersions, pumps, compressors and blowers. Mixers—Mechanisms and theory of mixing various mixers for liquid—liquid; solid-liquid; solid-solid.

5. Materials—Factors that determine choice of materials of construction in chemical industries. Metals and alloys, ceramic, plastics and rubbers. Timber and timber products, plywood laminates.

Fabrication of equipment with particular reference to production of vats, barrels, filter presses etc.

6. Instrumentation and process control—Mechanical, hydraulic, pneumatic, thermal, optical, magnetic, electrical and electronic instruments. Controls and control systems. Automation.

PART A

Algebra :

Algebra of sets, relations and functions, inverse of a function, composite function, equivalence relation.

Numbers. integers, rational numbers, real numbers (statement of properties), complex numbers, algebra of complex numbers.

Group, sub-groups, normal sub-groups, cyclic and permutation groups, Lagrange's theorem, isomorphism.

De-Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

Theory of Equations : Polynomial equations, transformation of equations, relations between roots and coefficients of a polynomial equation, symmetric function of roots of cubic and biquadratic equations, location of roots and Newton's method for finding roots.

Matrices : algebra of matrices, determinants—simple properties of determinants, product of determinants, adjoint of a matrix, inversion of matrices, rank of a matrix, application of matrices to the solution of linear equations (in three unknowns).

Inequalities : arithmetic and geometric means, Cauchy-Schwarz inequality (only for finite sums).

Analytic Geometry of two dimensions.—Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, Ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axes). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytic Geometry of three dimensions.—Planes, straight lines and spheres (Cartesian Co-ordinates only).

Calculus and Differential Equation :

Differential calculus :—Concept of limit; continuity and differentiability of a function of one real variable derivative of standard functions, successive differentiation, Rolle's theorem, Mean value theorem, Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic, trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms, Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent, normal, subtangent, subnormal, asymptotic curvature (Cartesian coordinates only). Envelopes, Partial differentiation, Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus: Standard methods of integration, Riemann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of Integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface areas of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integral.

Convergence of sequences and series, test of convergence of series with positive terms. Ratio, root and Gauss tests. Alternating series.

Differential Equations. Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay. Simple harmonic motion, Simple pendulum and the like.

PART B

Mechanics: (Vector methods may be used)

Statics.—Representation of a force, parallelogram of forces, composition and resolution of forces and conditions of equilibrium of coplanar and concurrent forces. Triangle of forces. Like and unlike parallel forces. Moments. Couples. General conditions for equilibrium of coplanar forces. Centre of gravity of simple bodies. Friction—static and limiting friction, angle of friction, equilibrium of a particle on a rough inclined plane, simple problems, simple machines (lever, systems of pulleys, gear. Virtual work (two dimensions)).

Dynamics.—Kinematics—displacement, speed, velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's laws of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse, work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular motion.

Astronomy:

Statistics.—Representation of a force, parallelogram of properties of right-angled spherical triangles.

Spherical Astronomy.—Celestial sphere, coordinate systems and their conversion. Diurnal motion. Sidereal and solar times, mean solar time, local and standard times, equation of time. Rising and setting of the sun and stars, dip of the horizon. Astronomical refraction. Twilight. Parallax, aberration, precession and nutation. Kepler's laws. Planetary orbits and stationary points. Apparent motion of the moon, phases of the moon. Astronomical instruments. Sextant, transit instrument.

Statistics:

Probability: Classical and statistical definitions of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability, Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distributions: Binomial—definition, mean and variance, skewness, limiting form, simple applications; Poisson—definition, mean and variance, additive property, fitting of Poisson distribution to given data; Normal—simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution: Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distributions and simple tests of hypothesis: Random sample. Statistic. Sampling distribution and standard error. Simple applications of the normal, *t*, *chi*, and *F* distributions to testing of significance of difference of means.

(11) Mechanical Engineering

1. Strength of Materials

—Stresses and strains—Hook's Law and relations between elastic constants—Compound bars in tension and compression and stresses due to temperature changes.

Bending Moment shear force and deflection is simply supported overhanging and cantilever beams for simple loading.

Torsion in round bars—Transmission of power by shafts—springs.

Simple cases of combined bending and direct stresses and combined bending and torsion.

Elastic theory of failure—Stress concentration and fatigue.
2. Theory of Machines and Machine Designs.

Relative velocities of parts in machines graphically and by calculation.

Crank effort diagram of engines—Speed-variation of fly-wheels. Governors. Power transmitted by belt drives—Friction and lubrication of journals and thrust bearings, ball and roller bearings. Design of fastenings and locking devices—Proportions for rivetted, bolted and welded joints and fastenings.

3. Applied Thermodynamics

Fuels Combustion—Air supply—Analysis of fuels and exhaust gases.

Boilers, Superheaters and Economisers—Boilers mountings and accessories—Boiler trial.

Physical properties of steam—Steam tables and their use.

Laws of Thermodynamics—Gas Laws—Expansion and compression of gases—Air compressors.

Ideal and actual engine cycles—Use of temperature—entropy, heat-entropy and pressure-volume charts and diagrams.

Simple Steam engines and Internal combustion engines.

Indicators and Indicator Diagrams—Mechanical, Thermal, air standard and actual efficiencies—General constructions—Engine trial and heat balance.

4. Production Engineering

Common machine tools—Working principles and design features of Lathes, shapers, planers, drilling machines—Milling machines—Grinding machines—Jigs and fixtures. Metal cutting tools—Tools materials—Tool geometry.

Cutting forces—Abrasive wheels.

Welding—Weldability and different welding processes—Testing of welds.

Forming process—moulding, casting, rolling and drawing of metals.

Metrology—Linear and angular measurements—Limits and fits. Measurement of screws and gears—Surface finish—Optical instruments.

Industrial engineering—Methods study and work measurement—Motion-time data—Work sampling—Job evaluation Wages and incentives—Planning, control, Plant layout.

5. Fluid Mechanics and Water power

Bernoulli's equation—Moving plates and vanes—Pumps and turbines. Design principles, application and characteristic curves; Principles of similarity; Governing—Hydraulic accumulators and intensifiers—Cranes and lifts—Surge tanks and Storage reservoirs.

(12) Physics

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions; Scalar and vector quantities; Moment of inertia. Work energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; Rotational motion; Gravitation; Simple harmonic motion; Simple and compound pendulum; Kater's pendulum; Elasticity. Surface tension; Viscosity of liquids, Rotary pump; McLeod gauge.

2. Sound

Damped, force and free vibrations; Wave motion, Doppler effect; Velocity of sound waves; Effect of pressure, temperature, humidity on velocity of sound in a gas; Vibration of strings, bars, plates and gas columns; Resonance; Beats; Stationary waves; Measurement of frequency, velocity and intensity of sound; Musical scales; Acoustics in architecture;

Elements of ultrasonics. Elementary principles of gramophones, talkies and loudspeakers.

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases; Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzman's distribution law; Van der Waal's equation of States; Joule Thomson effect; liquifaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications, Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics. Velocity of light; Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces; Defects in optical images and their corrections; Eye and other optical instruments; Wave theory of light; Interference; simple interferometer; Diffraction; Diffraction Grating; Polarisation of light; Elements of Spectroscopy.

5. Electricity and magnetism

Calculation of electric field intensity and potential in simple cases, Gauss theorem and simple applications; Electrometers, Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers; Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination; thermoelectric effects; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

Elements of Bohr's theory of atom; Electrons, Cathode rays and X-rays; Measurement of electronic charge and mass.

(13) Zoology

Classification of the animal kingdom into principal groups distinguishing features of the various classes.

The structure, habits, and life-history of the following non-chordate types :

Amoeba, malarial parasite, a sponge, hydra, liverfluke, tapeworm, roundworm, earth worm, leech, cockroach, housefly, mosquito, scorpion, freshwater mussel, pond snail and starfish (external characters only).

Economic importance of insects. Bionomics and life-history of the following insects : termitelocust, honey bee and silk moth.

Classification of Chordata up to orders.

The structure and comparative anatomy of the following chordate types :

Branchiostoma; Scolidon; frog; Uromastix or any other lizard (Skeleton of Varanus); pigeon (Skeleton of fowl); and rabbit, rat or squirrel.

Elementary knowledge of the histology and physiology of the various organs of the animal body with reference to frog and rabbit, Endocrine glands and their functions.

Outlines of the development of frog and chick structure and functions of the mammalian placenta.

General principles of evolution variations heredity; adaptation; recapitulation hypothesis; Mendelian inheritance; sexual and sexual modes of reproduction; parthenogenesis; metamorphosis; alternation of generations.

Ecological and geological distribution of animals with special reference to the Indian fauna.

Wild life of India including poisonous and non-poisonous snakes; game Birds.

PART B

Personality Test.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have

before them a record of his career. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for the Service. The candidate will be expected to have taken an intelligent interests not only in his subject of academic study but also in events which are happening around him both within and without his own State or country, as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated youth.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross examinations, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the mental qualities of the candidate. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity critical, powers of observation and assimilation, balance of judgment and alertness of mind initiative, tact, capacity for leadership; the ability for social cohesion, mental and physical energy and powers of practical application: integrity of character; and other qualities such as topographical sense, love for out-door life and the desire to explore unknown and out of way places.

APPENDIX III

(Vide Rule 20)

Brief particulars relating to the Indian Forest Service (vide Rule 20).

(a) Appointments will be made on probation for a period of three years which may be extended. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Government of India may determine.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government under clauses (b) and (c) above.

(e) An officer belonging to the Indian Forest Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under State Government.

(f) Scales of Pay :—

Junior Scale.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950.

Senior Scale.—Rs. 700 (6th year or under)—40—1100—50/2—1250.

Conservator of Forests.—Rs. 1300—60—1600—100—1800.

Deputy Chief Conservator of Forests (in States where such a post exists)—Rs. 1800—100—2200.

Additional Chief Conservator of Forests (in States where such a post exists)—Rs. 2000—100—2200.

Chief Conservator of Forests.—Rs. 2000—125—2250.

Deputy Inspector General of Forests.—Rs. 1800—100—2000 plus a special pay of Rs. 300 p.m.

Inspector General of Forests and ex-officio Additional Secretary to the Government of India.—Rs. 3000 (fixed).

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued from time to time.

A probationer will be started on the Junior time scale and permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

(g) **Provident Fund.**—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Provident Fund) Rules, 1955.

(h) Leave.—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Leave) Rules, 1955.

(i) Medical Attendance.—Officers of the Indian Forest Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Service (Medical Attendance) Rules, 1954.

(j) Retirement Benefits.—Officers of the Indian Forest Service appointed on the basis of Competitive Examination are governed by the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958.

APPENDIX IV

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

(vide Rule 17)

(These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India, reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. **Walking test.**—The candidates will be required to qualify in walking test of 25 Kilometres to be completed in 4 hours. The arrangement for conducting this test will be made by the Inspector General of Forests, Government of India so as to synchronise with the sittings of the Medical Board.

3. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever co-relation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) The Minimum standard for height and chest girth without which candidates be accepted, are as follows:

Height	Chest girth (fully expanded)	Expansion
163 cms.	84 cms.	5 cms. (for men)
150 cms.	79 cms.	5 cms. (for women)

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland, Tribals, etc., whose average height is distinctly lower.

4. The candidates height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttock, and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetres to halves.

5. The candidate's chest will be measured as follows :

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84-89, 86-93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

6. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

7. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded—

(i) **General.**—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormally. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye-lids or contiguous structures of such a sort as to render, or likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) **Visual Acuity.**—The examination for determining acuteness of vision includes two tests, one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follow :—

Distant Vision	Near Vision
Better eye Worse eye (Corrected Vision)	Better eye Worse eye (Corrected Vision)
6/6 6/9	6/12 6/9
or	J.I. J.II

NOTE :—

(1) **Fundus Examination.**—In every case of Myopia, Fundus Examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he/she should be declared unfit.

The total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed —4.00D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

(2) **Colour Vision.**—(i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower Grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and candidate	16 feet
2. Size of aperture	1.3 mm.
3. Time of Exposure	5 sec

(ii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and suitable lantern like Edrige Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests both the tests should be employed.

(3) *Field of vision*.—The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results, the field of vision should be determined on the perimeter.

(4) *Night Blindness*.—Night Blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests, e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

(5) *Ocular conditions other than visual acuity*.—(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*.—Trachoma, unless complicated, shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*.—As the presence of binocular vision is essential squint even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.

(d) *One-eyed persons*.—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The

level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level, they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

9. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs of symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

10. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks stand or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

11. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- | | |
|--|--|
| (1) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. | Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decibel in higher frequency. |
| (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. | Fit in respect of both technical and non-technical jobs, if the deafness is upto 30 Decibel in speech frequencies of 1000 to 4000. |
| (3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type. | (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane presents—Temporarily unfit. Under improved conditions of ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below :
(ii) Marginal or attic perforation in both ears—unfit
(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit. |

- | | |
|--|--|
| (4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on the side/on/both sides. | (i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity. Fit for both technical non-technical jobs.
(ii) Mastoid cavity of both sides. unfit for technical job. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid. |
| (5) Persistently discharging ear operated/unoperated. | Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs. |
| (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. | (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit. |
| (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. | (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.—Fit.
(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit. |
| (8) Benign or locally malignant tumours of the E. N. T. | (i) Benign tumours—Temporarily unfit.
(ii) Malignant Tumours—Unfit. |
| (9) Otosclerosis | If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit. |
| (10) Congenital defects of ear, nose, or throat. | (i) If not interfering with functions—Fit.
(ii) Stuttering of severe degree—Unfit. |
| (11) Nasal Poly | Temporarily Unfit. |
- (b) that his/her speech is without impediment.
- (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic death. It is at the same time to be noted that the
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

12. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performances of the duties which will be required of the candidate.

Note—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board special or standing appointed to determine their fitness for the above services. If, however Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a Second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be confidential.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

The case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by a treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared 'Temporarily Unfit' the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) *Candidate's statement and declaration*

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:—

1. State your name, in full (in block letters).....
2. State your age and birth place.....
2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.
3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis?
- OR
- (b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?
4. When were you last vaccinated?
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause?
6. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
---	--	---	---

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
--	--	--	--

7. Have you been examined by a Medical Board before?
8. If answer to the above is, Yes please state what Service/Services you were examined for?
9. Who was the examining authority?
10. When and where was the Medical Board held?
11. Result of the Medical Boards' examination, if communicated to you or if known

I declare all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Signed in my presence.

Candidate's signature.

Signature of the Chairman of the Board.

Note:—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By willfully suppressing any information will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or gratuity.

(b) *Report of Medical Board on (name of candidate) physical examination.*

1. General development: Good Fair Poor
- Nutrition: Thin Average Obese
- Height (Without shoes) weight
- Best Weight When? Any recent change in weight? Temperature
- Girth of Chest.
- (1) (After full inspiration)
- (2) (After full expiration)
2. Skin: Any obvious disease
3. Eyes:
- (1) Any disease
- (2) Night blindness
- (3) Defect in colour vision
- (4) Field of vision
- (5) Visual acuity
- (6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	Strength of glass sph. Cyl. Axis.
Distance vision	R. E. L. E.		
Near vision	R. E. L. E.		
Hypermetropia (manifest)	R. E. L. E.		

4. Ears: Inspection Hearing: Right Ear Left Ear
5. Glands Thyroid
6. Condition of teeth
7. Respiratory System: Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs? If yes, explain fully
8. Circulatory System:
- (a) Heart: Any organic lesions? Rate Standing.....
After hopping 25 times.....
2 minutes after hopping.....
- (b) Blood Pressure: Systolic Diastolic.....
9. Abdomen: Girth Tenderness.....
Hernia
- (a) Palpable. Liver..... Spleen.....
Kidneys Tumours
- (b) Hemorrhoids Fistulla
10. Nervous System Indication of nervous or mental disability
11. Loco-Motor System: Any Abnormality
12. Genito Urinary System: Any evidence of Hydrocele, Varicocele etc.
- Urine Analysis:
- (a) Physical appearance
- (b) Sp. Gr.....
- (c) Albumen.....

- (d) Sugar
- (e) Casts
- (f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Indian Forest Service.

NOTE.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide Regulation 10.

15. Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Forest Service?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories?

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of
- (iii) Temporarily unfit on account of

Place

Date

Chairman

Member

Member

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

New Delhi-1, the 6th November 1974

ORDER

No. 7/10/74-C.L.-II.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (b) of sub-section (4) of the Section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Company Law Board hereby authorises the following Officers of the Government of India, in the Department of Company Affairs, for the purposes of the said Section 209 :—

1. Shri Ajit Kumar Doshi . Deputy Director of Inspection, Madras.
2. Shri Kumarjib Mitra . Deputy Director of Inspection, Calcutta.

T. S. SRINIVASAN,

Joint Director of Inspection and *Ex-officio*

Deputy Secretary to the Company Law Board.

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 28th October 1974

No. 44 (29)/72-SD&P.—By virtue of the powers vested in the Government of India under Rule 3 of the Rules of the National Productivity Council, which has been registered as a society under the Societies Registration Act, 1860 (Act XXI of 1860), the Government of India are pleased to nominate under Clause (a) of the said Rule Shri K. T. Chandy, Chairman, Kerala State Industrial Development Corporation Ltd., Trivandrum, as Chairman of the Governing body of the National Productivity Council for a further period of two years with effect from the 1st November, 1974.

K. K. MATHUR,

Director

MINISTRY OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE & CULTURE

(Department of Education)

New Delhi, the 12th November, 1974

RESOLUTION

No. E-11015/1/73-CDN.—In partial modification of this Ministry Resolution of even number dated 12-12-1973 as amended by this Ministry's Resolutions of even number dated the 22nd April, 1974 and 25th September, 1974 setting up the Hindi Salahkar Samiti to advise this Ministry on progressive use of Hindi in the transaction of official business, it is hereby resolved to amend the composition of the Rajya Sabha members of the Samiti as follows.

In para I of the Resolution under "Composition : two Members of Parliament from Rajya Sabha" substitute the names of Shri Jagdish Joshi and Shri Prakash Veer Shastri for Shri Bindeshwari Prasad Singh and Shri Man Singh Verma.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General, Chief Pay and Accounts Officer and all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. K. CHATURVEDI

Director (Languages)

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 16th November 1974

RESOLUTION

No. MTC (16)/74-MT.—In pursuance of the Government of India late Ministry of Transport and Communications (Department of Transport) Resolution No. 24-MT (6)/52, dated the 17th August, 1959, as amended from time to time, the Central Government reconstituted the Merchant Navy Training Board for a period of two years with effect from the 28th June, 1972. On the expiry of the life of that Board on 27th June, 1974, the Central Government hereby sets up a Merchant Navy Training Board for a period of two years consisting of the following members and nominates Shri M. R. Vyas, Member of the Rajya Sabha to be the Chairman of the said Board, with effect from the date of publication of this Resolution.

1. Shri M. R. Vyas . Chairman
Member of Rajya Sabha,
New Delhi.
2. Director General of Shipping, . Vice-Chairman
Bombay. (Ex-officio)
3. Shri K. Narayana Rao, . Representative of Parlia-
Member of Lok Sabha, ment.
Representative of Parliament.
4. Deputy Secretary, . Member (Ex-officio)
Ministry of Shipping & Trans-
port, New Delhi dealing with the
Merchant Navy Training Institutions.
5. Deputy Secretary, . Do,
Ministry of Finance,
(Department of Expenditure)
dealing with the Ministry of
Shipping and Transport,
New Delhi.
6. Chief Surveyor with the . Do,
Government of India,
Bombay.
7. Nautical Adviser to the . Do,
Government of India,
Bombay.

- | | | | |
|--|--|---|--|
| 8. Principal, Lal Bahadur Shastri Nautical and Engineering College, Bombay. | Member (<i>Ex-officio</i>) | 21. Shri J. D. Randeni | Representative of Maritime Union of India, Bombay. |
| 9. Capt. Superintendent, Training Ship, 'Rajendra', Bombay | Do | 22. Shri Leo Barnes | Representative of the National Union of Seafarers of India, Bombay |
| 10. Director, Marine Engineering Training, Calcutta. | Do. | 23. Shri Bijoy Mukherjee | Representative of the National Union of Seamen of India, Calcutta. |
| 11. Captain Superintendent, Ratings Training Establishment, 'Mekhala', Visakhapatnam. | Do. | 24. Deputy Director General of Shipping, Bombay dealing with Merchant Navy Training Institutions. | Member-Secretary. |
| 12. Deputy Education Adviser (Tech.), Western Regional Office, Industrial Assurance Building, 2nd Floor, Vir Nariman Road, Opp. Churchgate Station, Bombay-400020. | Representative of the Ministry of Education. | 25. Vacant | |
| 13. Captain S. Jain, Director, Sub-Marine Arm, Naval Headquarters, New Delhi. | Representative of the Ministry of Defence (Naval Head-quarters). | | |
| 14. Dr. D. P. Antia, Industrial and Management Consultants, 10, Judges Court Road, Plot 7, Calcutta-700027. | Representative of the All India Council for Technical Education. | | |
| 15. Captain M. S. Karnik, Dock Master, Bombay Port Trust, Bombay. | Representative of the Port Trusts. | | |
| 16. Captain R. D. Kohli, Chief Technical Manager, Shipping Corporation of India, Bombay. | Representative of the Shipping Corporation of India. | | |
| 17. Shri N. H. Dhunjibhoj, M/s. South East Asia Shipping Co., Himalaya House, D. N. Road, Bombay-400001. | Representative of Indian National Shipowners Association. | | |
| 18. Captain H.K.D. Patil, Deputy Marine Superintendent, Seindia Steam Navigation Company, Seindia House, Bombay-400001. | Do. | | |
| 19. Shri N. P. Elliot/Captain B. S. Pavri, (alternate member in the event of the Board's meeting in Calcutta.) | Representative of Calcutta Liners Conference (Crews) and the Owners/Agents Committee (Crews) Bombay. | | |
| 20. Shri A. Mithavan, M/s. Padma Meenakshi Company M. G. Road, Cochin-11. | Representative of the Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry, New Delhi. | | |

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to the private and Military Secretaries to the President, the Prime Minister's Secretariat, the Cabinet Secretariat, all the Ministries of the Government of India, all the State Governments, the Port Trusts and the Director General of Shipping, Bombay.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

D. D. JOSHI,

Jt. Secy.

New Delhi, the 12th November 1974

CORRIGENDUM

No. 7-MWC(1)/73-MA.—In the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) Resolution No. 7-MWC(1)/73-MA, dated the 4th May, 1973 published in Part I Section I of the Gazette of India, the following changes be made in S. No. 16 :—

For	Substitute
Shri S. M. Yahya, M.L.A., Dilshad Manzil, Navaya Colony, Post Bhatkal, North Kanara.	Shri U. T. Fareed, M.L.A., Mangalore-2.

D. C. AHIR,

Under Secy,

